हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, बुधवार 25 फरवरी 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

06 नियम ताक पर रख किए फेरबदल पर उठने लगे ...

07 25 मार्च से शुरू होगी गेहूं की खरीद, इधर मंडी में लग...

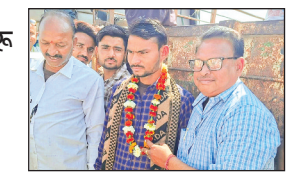

खबर संक्षेप

150 वां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आज

सागर। डॉ हरी सिंह गौर विश्व विद्यालय के पूर्व चिकित्सा अधिकारी ब्र. डॉ. सोमेश्वर नाथ शुक्ला एवं ब्र. शांति देवी शुक्ला की स्मृति में 150 वां निशुल्क स्वास्थ्य शिविर 25 फरवरी बुधवार समय 9:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक आयुर्वेद एवं निदान सहित मधुमेह एवं श्वास व हड्डी रोग पर निःशुल्क रक्त शर्करा, हीमोग्लोबिन, बी एम डी, यूरिक एसिड ,बॉडी मांस द्वारा मांस पेशियों की जांच तथा योग प्रशिक्षण का आयोजन, शिवोम सोम शांति चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र, 5 सिविल लाइन सागर में किया गया है। इच्छुक व्यक्ति डॉ राजेश शुक्ला से संपर्क कर सकते हैं एवं इस शिविर का निशुल्क लाभ ले सकते हैं।

सीएम डॉ मोहन यादव आएंगे गढाकोटा रहस लोकोत्सव में

सागर। पूर्व मंत्री और विधायक गोपाल भार्गव द्वारा आयोजित गढाकोटा रहस लोकोत्सव मेला में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मुख्यातिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ यादव 26 फरवरी गुरुवार को दोपहरः 12 बजे गढ़ाकोटा रहस लोकोत्सव में ₹बुंदेलखंड स्तरीय किसान सम्मेलन, शहरी- ग्रामीण आजीविका समूहों के सम्मेलन को संबोधित करेंगे।

निःशुल्क ऑफलाइन कोचिंग के लिए आवेदन आमंत्रित

सागर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित आगामी राज्य सेवा प्रारंभिक एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए शासकीय परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केन्द्र, सिरौंजा सागर में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु निःशुल्क ऑफलाइन कोचिंग के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। प्रवेश हेतु निर्धारित शर्तों के अनुसार आवेदक मध्यप्रदेश का मूल निवासी तथा अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग का सदस्य होना चाहिए। आवेदक के परिवार की वार्षिक आय सभी स्त्रोतों से 6 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। न्यूनतम आयु 21 वर्ष एवं अधिकतम 35 वर्ष निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी ने स्नातक परीक्षा में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों। प्रशिक्षण पूर्णकालिक रहेगा तथा प्रवेश के समय टी.सी. जमा करना अनिवार्य होगा। प्रशिक्षण का माध्यम हिन्दी रहेगा और अवधि 12 माह की होगी। प्रशिक्षण अवधि में नियमानुसार छात्रवृत्ति देय होगी।

जनसुनवाई में हुई 168 आवेदनों पर कार्रवाई

सागर। कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में आज 168 आम लोगों की समस्याओं को सुना गया और अधिकारियों को तत्परता से आमजन की समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर कलेक्टर संदीप जी आर, संयुक्त कलेक्टर आरती यादव, संयुक्त कलेक्टर राजनंदनी शर्मा, सिटी मजिस्ट्रेट अमन मिश्रा सहित अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद थे। राज्य शासन के निर्देश पर आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में आज कलेक्ट्रेट में जनसुनवाई हुई। जिले के 168 आवेदकों के प्रकरणों में सुनवाई कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की गई। जनसुनवाई में लोगों की समस्याओं को सुना और उनका निराकरण किया गया।

मार्शल आर्ट सम्पूर्ण सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है जिसमें सौंदर्य और आत्मबल का संदेश है

राष्ट्रीय नाट्य समारोह में कलाकारों ने दी बुंदेल खंड की मार्शल आर्ट परम्परा की सजीव प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में उत्तर-मध्यक्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय सांस्कृतिक परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में 20 फरवरी से 24 फरवरी को पाँच दिवसीय राष्ट्रीय नाट्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पांच दिवसीय आयोजन की परिकल्पना सांस्कृतिक केंद्र प्रयागराज के निदेशक सुदेश शर्मा द्वारा की गई है जिसे विश्वविद्यालय के सांस्कृतिक परिषद् के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है । समारोह के पांचवे और अंतिम दिन के प्रथम सत्र में आयोजित विशेष कार्यशाला में पद्मश्री भगवान दास रैकवार की मार्शल आर्ट की टीम उनके सुपुत्र राजकुमार रैकवार के साथ उपस्थित हुई। कार्यशाला का आरंभ होते ही पूरा वातावरण बदल गया। बुंदेली मार्शल आर्ट के पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों की झंकार और कलाकारों की भाव-भंगिमाओं ने उपस्थित विद्यार्थियों और दर्शकों को एक अलग ही युग में पहुँचा दिया। टीम की प्रस्तुति ने यह सिद्ध किया कि यह केवल युद्ध कला नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है जिसमें लय है, ताल है, सौंदर्य है और आत्मबल का संदेश है।

रैकवार ने विद्यार्थियों के साथ खुलकर संवाद करते हुए बताया कि यह बुंदेलखंड के अखाड़ों की मार्शल आर्ट विधा है, जो इस अंचल के लोगों की आत्मरक्षा और आत्म निर्भरता का माध्यम रही है। उन्होंने कहा कि इस कला में सिर्फ शारीरिक शक्ति नहीं, बल्कि मानसिक एकाग्रता, अनुशासन और सांस्कृतिक गौरव का भाव भी समाहित है। उन्होंने इस मार्शल आर्ट में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न अस्त्र-शस्त्रों लाठी, भाला, तलवार, ढाल, फरसा आदि के उपयोग की बारीकियाँ विस्तारपूर्वक समझाईं। साथ ही उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि किस प्रकार इन अस्त्रों का उपयोग सांकेतिक शैली में रंगमंच पर किया जा सकता है, जिससे नाट्य प्रस्तुतियाँ और अधिक जीवंत, प्रभावशाली तथा प्रामाणिक बन सकती हैं। रैकवार ने यह समझाया कि लोक युद्ध कला की हर मुद्रा, हर गतिविधि, हर लय में एक नाटकीय भाव छुपा है। यदि रंगकर्मी इस परंपरा को आत्मसात कर लें, तो न केवल उनके अभिनय में एक नई ऊर्जा आएगी बल्कि बुंदेलखंड की यह लोक परंपरा भी नई पीढ़ी तक जीवंत रूप में पहुँच सकेगी। उन्होंने कहा कि नाट्य प्रस्तुतियों में इस कला का समावेश एक साथ दो उद्देश्यों की पूर्ति करता है. पहला, रंगमंच को एक समृद्ध देशज सौंदर्यशास्त्र मिलता है और दूसरा इस विलुप्त होती लोक विधा को नया जीवन मिलता है।

कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश सोनी ने बताया कि पद्मश्री भगवानदास जी वह व्यक्तित्व हैं जिन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन बुंदेलखंड की लुप्त होती मार्शल आर्ट परंपरा को जीवित रखने में समर्पित कर दिया है और जिन्हें इस वर्ष 2026 में भारत सरकार ने पद्मश्री से अलंकृत किया। उन्होंने एक सांस्कृतिक योद्धा की तरह इस परंपरा को थामे रखा। उन्होंने मध्यप्रदेश में 'छत्रसाल अखाड़ा' की स्थापना की और पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस लोक युद्ध कला को न केवल जीवित रखा बल्कि उसे एक नई प्रासंगिकता प्रदान की।

डॉ. नीरज उपाध्याय ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती वीरों की धरती रही है। महाराजा छत्रसाल की इस भूमि पर लोक युद्ध कला की एक समृद्ध परंपरा सदियों से पल्लवित होती रही है। यहाँ के अखाड़े केवल शरीर को साधने के स्थान नहीं थे, बल्कि वे सांस्कृतिक, सामाजिक और आत्मरक्षा की शिक्षा के जीवंत केंद्र थे। लाठी, भाला, तलवार, ढाल जैसे परंपरागत अस्त्र-शस्त्रों से सुसज्जित यह युद्ध विधा यहाँ के आम जनमानस की दैनिक जीवनशैली का हिस्सा रही। किंतु आधुनिकता की आँधी में यह अमूल्य विरासत धीरे-धीरे विस्मृत होने लगी।

रामराजा पैलेस में उड़ा गुलाल, महिला मंडल ने स्नेह और सौहार्द के साथ मनाया होली मिलन समारोह

रहली। भारतीय संस्कृति में होली केवल रंगों का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, सामाजिक समरसता और राष्ट्रभक्ति के एकाकार होने का उत्सव है। इसी भावना को चरितार्थ करते हुए आज स्थानीय रामराजा पैलेस में एक भव्य महिला मंडल होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष देवराज सोनी की धर्मपत्नी जया देवराज सोनी के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में नगर की महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिल्पी अभिषेक भार्गव विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों का स्वागत और स्नेह का रंग समारोह का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर शिल्पी भार्गव ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि होली का त्यौहार हमें आपसी भेदभाव भुलाकर प्रेम के रंग में रंगने का संदेश देता है। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से सामाजिक एकजुटता को बल मिलता है। ब्रज की तर्ज पर बिखरी छटा चूँकि ब्रज में बसंत पंचमी से ही होली का आगाज़ हो चुका है, उसी परंपरा का निर्वहन करते हुए रहली में भी फाग के गीतों और गुलाल की खुशबू ने समां बांध दिया। उपस्थित महिलाओं ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर और गले मिलकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। पूरा परिसर 'होली है' के जयघोष और मंगल गीतों से गुंजायमान रहा। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन समारोह के दौरान महिलाओं द्वारा पारंपरिक लोक गीतों और भजनों की प्रस्तुति भी दी गई। कार्यक्रम के अंत में आयोजक जया देवराज सोनी ने सभी आगंतुक अतिथियों और महिला मंडल का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर की गणमान्य महिलाएं और भारी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

स्वच्छता के जनक संत शिरोमणि गाडगे जी महाराज की जन्म जयंती पर निकली गई शोभा यात्रा

रहली। स्वच्छता के जनक और घर घर शिक्षा की अलख जगाने वाले महाराष्ट्र में जन्मे संत गाडगे बाबा जी महाराज की जन्म जयंती बड़े धूम धाम से मनाई गई जिसमें रहली के मुख्य मार्गों से विशाल शोभा यात्रा निकली गई साथ अटल सेतु के पास स्थित संत गाडगे धर्मशाला में जन्म जयंती कार्यक्रम का विशाल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा नेता अभिषेक भार्गव, नपा अध्यक्ष देवराज सोनी, सुशील हजारी, राजेंद्र जारोलिया सहित रहली विधानसभा देवरी विधानसभा क्षेत्र के हजारों लोग और आयोजक मंडल के सदस्य शामिल रहे।

जिले में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध

सागर। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी संदीप जी. आर. द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिले की सीमा में गेहूं एवं अन्य फसलों की नरवाई (डंठलों) में आग लगाने पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है। उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, जिला सागर द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में गेहूं की कटाई अधिकांशतः कम्बाईन्ड हार्वेस्टर से की जा रही है, जिसके उपरांत नरवाई जलाने की घटनाओं में तेजी आई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा इन घटनाओं की सैटेलाइट मैपिंग की जा रही है तथा राष्ट्रीय फसल अवशेष प्रबंधन नीति 2014 के अंतर्गत जिला स्तरीय फसल अवशेष प्रबंधन समिति का गठन भी किया गया है।आदेश में उल्लेखित है कि कटाई उपरांत बचे हुए फसल अवशेषों से भूसा तैयार करने के स्थान पर उन्हें जला दिया जाता है, जबकि भूसा पशु आहार एवं अन्य औद्योगिक उपयोग में काम आता है और 8 से 10 रुपये प्रति किलोग्राम तक विक्रय किया जा सकता है। पर्याप्त भूसा उपलब्ध न होने से पशु हानिकारक पदार्थ खाते हैं, जिससे वे बीमार होते हैं। नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति घटती है, लाभकारी सूक्ष्म जीवाणु नष्ट होते हैं, हानिकारक गैसों का उत्सर्जन होता है।

रहली बस स्टैंड स्थित किराना दुकान के चोर गिरफ्तार, पुलिस ने किया न्यायालय में पेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रहली

रहली बस स्टैंड स्थित नीरज जैन की किराना में दुकान में विगत दस दिन पहले हुई चोरी के मामले में पुलिस को सफलता मिली हे। किराना दुकान से समान और सीसी कैमरा का डिव्हिआर तक चुराकर ले जाने वाले चोरों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया हे।

रहली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी एवं गवाहान लिये गये सीसीटीव्ही कैमरे की रिकार्डिंग चैक की जाकर संदेही आरोपियों की तलाश की गई जो मुखबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि घटना में प्रयुक्त वाहन के जैसा ही एक वाहन सागर से रानगिर तरफ जा रहा है जो हमराह स्टॉफ के रवाना होकर उक्त वाहन को स्टॉफ की मदद से रोककर चैक किया गया जो उक्त वाहन में बैठे तीन व्यक्तियों से उनका नाम पता पूंछा गया जिन्होंने अपना नाम 01-आकाश पिता भगवानदास रजक उम्र 19 साल नि. मढिया बिठ्ठठल नगर थाना केन्ट, 02-आजाद पिता सुन्दरलाल पटैल उम्र 20 साल नि. चिरई कॉलोनी थाना केन्ट, 03-इरफान अली उर्फ मस्कट पिता दिलावर अली उम्र 18 साल नि. शुक्रवारी मस्जिद के पीछे दयानंद वार्ड थाना कोतवाली जिला सागर का होना बताया एवं उक्त वाहन की तलाशी ली गई जो उक्त वाहन में संदेहास्पद सामग्री प्राप्त हुई। जो उक्त सामग्री के विषय में उक्त संदेहियों से पूछताछ की गई जिन्होंने उक्त सामग्री रहली के बस स्टेण्ड के पास किराना की दुकान से चोरी करना बताया जो उक्त तीनों आरोपियों को थाना रहली लाकर घटना के संबंध में विस्तृत पूंछताछ की गई जिन्होनें अपना जुर्म स्वीकार किया जिन्हें बाद कार्यवाही न्यायालय पेश किया गया।

विशेष जनसुनवाई बनी वरदान, समय, पैसा की बचत के साथ त्वरित हो रहा है निराकरण, देवरी में संपन्न हुई विशेष जनसुनवाई

सागर। कलेक्टर संदीप जी आर द्वारा आयोजित जनसुनवाई जिले के आम नागरिकों के लिए वरदान साबित हो रही है। आज देवरी.में आयोजित जनसुनवाई में आवेदनकर्ताओं, शिकायतकर्ताओं और योजनाओं के पात्र हितग्राहियों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया। विकासखंडीय जनसुनवाई के आयोजन से जहां एक ओर आमजन के समय और पैसे की बचत हो रही है वहीं दूसरी और लोगों को अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान प्राप्त हो रहा है जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति विश्वास और बढ़ा है। कलेक्टर के निर्देश पर देवरी में आयोजित विशेष जनसुनवाई में 300 से अधिक व्यक्तियों के समस्याओं का मौके पर ही अधिकारियों के माध्यम से निराकरण कराया। अपर कलेक्टर अविनाश रावत ने बताया कि आज देवरी में आयोजित विशेष जनसुनवाई में आमजनों के 300 से अधिक अवेदनों को सुना गया। उन्होंने बताया कि सरकार की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने एवं जिलेवासियों को उनकी समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण हेतु कलेक्टर के निर्देश पर आयोजित जनसुनवाई में विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आमजन से आवेदन प्राप्त किए।

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में डॉ (सुश्री) शरद सिंह ने वक्तव्य दिया देवलचौरी की ऐतिहासिक रामलीला पर

सागर। देवलचौरी की रामलीला का मंचन विगत 121 वर्ष से निरंतर हो रहा है। यह केवल सागर ही नहीं वरन समूचे बुंदेलखंड के लिए गौरव का विषय है। मालगुजार छोटेलाल तिवारी द्वारा 1905 में आरम्भ की गई यह रामलीला सागर की सांस्कृतिक परंपरा की परिचायक है। आज भी तिवारी परिवार राम लीला का मंचन कराता है। यह कौंच की प्रसिद्ध रामलीला से किसी तरह कम नहीं है। इस सेमीनार के द्वारा देवलचौरी की रामलीला की ख्याति देश-विदेश तक जाएगी मेरा ऐसा विश्वास है।₹ बतौर मुख्य अतिथि सागर की वरिष्ठ एवं चर्चित साहित्यकार डॉ (सुश्री) शरद सिंह ने देवलचौरी की रामलीला के बारे में विस्तार से चर्चा की। अवसर था 'बुन्देलखण्ड के साहित्य, समाज और संस्कृति में श्रीराम' विषय पर कला संकाय, हिंदी विभाग, महिला अध्ययन केंद्र तथा बुन्देली विरासत दीर्घा के संयुक्त तत्वावधान में उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान एवं भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का सत्र अध्यक्षता की महाराजा छत्रसाल वि.वि. छतरपुर के हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉ बहादुर सिंह परमार ने तथा विशिष्ट अतिथि थे डॉ. प्रमोद कुमार अग्रवाल, पूर्व मुख्य सचिव, पश्चिमबंगाल। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झांसी (उप्र) में आयोजित इस दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक थे प्रो. पुनीत बिसारिया अधिष्ठाता कला संकाय, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, निदेशक, बुन्देली विरासत दीर्घा।

पुनीत कार्यः भीषण गर्मी में यात्रियों की प्यास बुझाएगा 'नईम स्मृति' वाटर कूलर

रहली। माहे रमजान के मुकद्दस महीने में इबादत के साथ-साथ इंसानियत की सेवा की एक मिसाल नगर में देखने को मिली है। वार्ड क्रमांक 13 निवासी अलीम खान ने अपने बड़े भाई स्व. नईम हुसैन खान की स्मृति में नगर पालिका रहली को एक वाटर कूलर भेंट किया है, ताकि बस स्टैंड पर आने-जाने वाले यात्रियों और स्थानीय नागरिकों को भीषण गर्मी में शीतल जल उपलब्ध हो सके। नगर पालिका अध्यक्ष देवराज सोनी द्वारा इस वाटर कूलर को नगर पालिका कार्यालय के समीप बस स्टैंड पर उचित स्थान पर लगवाया गया। आज अलीम खान एवं उनके परिजनों की उपस्थिति में नपा अध्यक्ष ने रिबन काटकर इस प्याऊ का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर नपा अध्यक्ष देवराज सोनी ने अलीम खान के इस कार्य की सराहना करते हुए कहाः यह एक अत्यंत पुनीत कार्य और अनुकरणीय पहल है। भीषण गर्मी के मौसम में राहगीरों को ठंडा पानी पिलाना सबसे बड़ी सेवा है। अब बस स्टैंड क्षेत्र में यात्रियों के लिए 24 घंटे ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। उद्घाटन के दौरान अलीम खान, उनके परिजन और नगर पालिका से सफाई दरोगा महेश ठाकुर,शादाब खान सहित पार्षद अमित नायक, राजेंद्र ठाकुर, विक्रम ठाकुर, मस्तु खान सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

होली के रंग, स्वच्छता और प्रकृति के संग

नगर पालिका परिषद खुरई का अभिनव प्रयासः फूलों से बनेगा हर्बल गुलाल, होलिकादहन स्थलों पर भी रहेंगी विशेष व्यवस्थाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देने की दिशा में नगर पालिका परिषद खुरई द्वारा एक सराहनीय नवाचार की शुरुआत की गई है, इस पहल के अंतर्गत अब नगर में मंदिरों से निकलने वाली पूजन सामग्री, फूल-मालाओं और पत्तियों का पुनः उपयोग कर केमिकल रहित, प्राकृतिक हर्बल गुलाल और रंग-रोगन तैयार किया जाएगा।

फूलों से बनेगा प्राकृतिक रंग और हर्बल गुलाल

खुरई-नगर में प्रतिदिन मंदिरों से बड़ी मात्रा में फूल और पूजन सामग्री निकलती है, जो अक्सर कचरे में चली जाती है,अब इन्हीं फूलों को एकत्रित कर उन्हें सुखाकर, प्रोसेस कर प्राकृतिक हर्बल गुलाल बनाया जाएगा।

इस कार्य में स्व-सहायता समूह की महिलाएं एवं स्वच्छता सफाई मित्र सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं, इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण होगा,बल्कि महिलाओं को रोजगार के अवसर और आजिविका भी प्राप्त होगी। बाजार में मिलने वाले रासायनिक रंगों से त्वचा और आंखों को नुकसान की आशंका रहती है, नगर पालिका की यह पहल नागरिकों को सुरक्षित,त्वचा अनुकूल और पर्यावरण हितैषी रंग उपलब्ध कराएगी,यह कदम "स्वच्छ नगर–हरित नगर" की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

होलिका दहन स्थलों पर होंगे पुख्ता इंतजाम

आगामी होली पर्व को ध्यान में रखते हुए नगर में होलिका दहन स्थलों का चिन्हांकन किया जाएगा, इन स्थलों पर स्वच्छता व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, अग्निशमन एवं सुरक्षा के आवश्यक इंतजाम किए जाएंगे।

भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए विशेष निगरानी रखी जाएगी,नगर पालिका का उद्देश्य है कि नागरिक सुरक्षित, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल तरीके से होली पर्व मनाएं। यह नवाचार न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रेरणादायक कदम है,बल्कि समाज में स्वच्छता, पुनर्चक्रण और आत्मनिर्भरता का संदेश भी देता है।

महाकवि पद्माकर को अबीर-गुलाल लगाकर शुरू होगी साहित्यकारों की होली : अमित मणिकांत

सागर। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी होली उत्सव का आयोजन बुंदेलखंड हिंदी साहित्य संस्कृति विकास मंच सागर के तत्वाधान में चकराघाट परिसर में महाकवि पद्माकर जी को अबीर गुलाल लगाकर प्रारंभ किया जाएगा। संस्था के संयोजक अमित मणीकांत चौबे ने बताया कि उनके पिता स्व. मणीकांत चौबे 'बेलिहाज' होली उत्सव का आयोजन लगभग 55 वर्षों तक करते रहे हैं और उनके निधन के बाद यह तीसरा आयोजन है और कुल यह 58 वां आयोजन है। जिसमें शहर के समस्त साहित्यकार मिलकर सर्वप्रथम महाकवि पद्माकर को रंग गुलाल लगाकर तथा काव्य पाठ कर अपनी-अपनी होली की शुरुआत करते हैं। डॉ सीताराम श्रीवास्तव 'भावुक' ने बताया कि बेलिहाज जी के निधन के बाद से उनके द्वारा किए जा रहे साहित्यिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने का प्रयास उनके पुत्र अमित चौबे द्वारा और संस्था के सदस्यों द्वारा किया जा रहा है और इसी तारतम्य में यह आयोजन है।

अनियमितताओं और मनमाने निर्णयों के आरोप सुर्खियों में

नियम ताक पर रख किए फेरबदल पर उठने लगे सवाल, अब जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले के शिक्षा विभाग में प्रभार राजनीति, वरिष्ठता की बलि देकर चहेतों को लाभ एवं अधिकारियों में मनमानी हावी होने से नियमों को ताक पर रखकर किए गए फेरबदल पर अब गंभीर सवाल उठने लगे हैं। जिसकी जांच की मांग तेज हो गई है। शिक्षा विभाग में हालिया प्रशासनिक फेरबदल के बाद व्यवस्थाओं को लेकर नए सिरे से सवाल खड़े हो गए हैं। आईएल आठ्या का स्थानांतरण होने के बाद 22 जुलाई 2025 को डाइट प्रभारी प्राचार्य हनुमत सिंह चौहान को प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। जिनके द्वारा पदभार संभालते ही विभागीय कार्यप्रणाली को लेकर अनियमितताओं और मनमाने निर्णयों के आरोप सुर्खियों में आ गए हैं। पूर्व में वित्तीय गड़बड़ियों और स्कूली खेल सामग्री खरीदी में अनियमितता से जुड़े ऑडियो वायरल प्रकरण के कारण हटाए जा चुके अधिकारी से जुड़े विवाद एक बार फिर चर्चा में है। हालात तब और गंभीर हो गए जब वर्षों से अन्य विभागों में पदस्थ अधिकारियों, सेवानिवृत्त एवं दिवंगत शिक्षकों तक को कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने के मामले सामने आए। उच्च श्रेणी शिक्षक को वित्तीय प्रभार देने, रिक्त पदों पर नियमविरुद्ध अतिरिक्त जिम्मेदारी सौंपने तथा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर टीएल बैठक में फटकार के बाद आनन-फानन में नोटिस जारी करने जैसी घटनाओं ने विभागीय कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

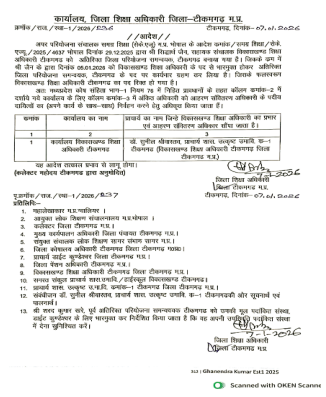

कार्यालय, जिला शिक्षा अधिकारी जिला–टीकमगढ़ म.प्र.
क्रमांक/राज./स्था–1/2026/236 टीकमगढ़, दिनांक– 07.01.2026
//आदेश//
अपर परियोजना संचालक समग्र शिक्षा (सेके.एजु) म.प्र. भोपाल के आदेश कमांक/समग्र शिक्षा/सेके. एज्यू./2025/4637 भोपाल दिनांक 29.12.2025 द्वारा श्री सिद्धार्थ जैन, सहायक संचालक विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी टीकमगढ को अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, टीकमगढ बनाया गया है। जिसके क्रम में श्री जैन के द्वारा दिनांक 05.01.2026 को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी के पद से भारमुक्त होकर अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, टीकमगढ के पद पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है। जिसके फलस्वरूप विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी टीकमगढ का पद रिक्त हो गया है।
अतः मध्यप्रदेश कोष संहिता भाग–1 नियम 76 में निहित प्रावधानों के तहत कॉलम कमांक–2 में दर्शाये गये कार्यालय के लिए कॉलम कमांक–3 में अंकित अधिकारी को आहरण संवितरण अधिकारी के पदीय दायित्वों का (अपने कार्य के साथ–साथ) निर्वहन करने हेतु अधिकृत किया जाता हैं।

कमांक	कार्यालय का नाम	प्राचार्य का नाम जिन्हे विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी का प्रभार एवं आहरण संवितरण अधिकार सौंपा जाता है।
1	2	3
1	कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी टीकमगढ	डॉ. सुनील श्रीवास्तव, प्राचार्य शास. उत्कृष्ट उमावि. क–1 टीकमगढ (विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी टीकमगढ जिला टीकमगढ म.प्र.)

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।
(कलेक्टर महोदय टीकमगढ द्वारा अनुमोदित)
7-1-2026
जिला शिक्षा अधिकारी
जिला टीकमगढ म.प्र.

पृ.क्रमॉक/राज./स्था–1/2026/237 टीकमगढ, दिनांक– 07.01.2026
प्रतिलिपिः–
1. महालेखाकार म.प्र.ग्वालियर ।
2. आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र.भोपाल ।
3. कलेक्टर जिला टीकमगढ म.प्र.।
4. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत टीकमगढ म.प्र.।
5. संयुक्त संचालक लोक शिक्षण सागर संभाग सागर म.प्र.।
6. जिला कोषालय अधिकारी टीकमगढ जिला टीकमगढ म0प्र0।
7. प्राचार्य डाईट कुण्डेश्वर जिला टीकमगढ म.प्र.।
8. जिला पेंशन अधिकारी टीकमगढ म.प्र.।
9. विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी टीकमगढ जिला टीकमगढ म.प्र.।
10. समस्त संकुल प्राचार्य शास.उमावि./हाईस्कूल विकासखण्ड टीकमगढ।
11. प्राचार्य शास. उत्कृष्ट उ.मा.वि. कमांक–1 टीकमगढ जिला टीकमगढ म.प्र.।
12. संबंधीजन डॉ. सुनील श्रीवास्तव, प्राचार्य शास. उत्कृष्ट उमावि. क–1 टीकमगढकी ओर सूचनार्थ एवं पालनार्थ।
13. श्री शरद कुमार खरे, पूर्व अतिरिक्त परियोजना समन्वयक टीकमगढ को उनकी मूल पदांकित संस्था, डाईट कुण्डेश्वर के लिए भारमुक्त कर निर्देशित किया जाता है कि वह अपनी उपस्थिति पदांकित संस्था में देना सुनिश्चित करें।

7-1-2026
जिला शिक्षा अधिकारी
जिला टीकमगढ म.प्र.

312 | Ghanendra Kumar Est1 2025
Scanned with OKEN Scanner

नियमों को ताक पर रखकर सौंपा अतिरिक्त प्रभार, दिए वित्तीय अधिकार

जानकारी के अनुसार प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी हनुमत सिंह चौहान ने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्रमांक-1 टीकमगढ़ के प्रभारी प्राचार्य एवं उच्च माध्यमिक शिक्षक सुनील श्रीवास्तव को टीकमगढ़ विकासखंड शिक्षा अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार सौंपते हुए वित्तीय अधिकार भी दे दिए। जबकि नियमानुसार सीएम राइज एवं एक्सीलेंस स्कूल के प्राचार्यों को अतिरिक्त प्रशासनिक प्रभार नहीं दिया जा सकता। सूत्रों का कहना है कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी के पद के लिए वरिष्ठता क्रम के आधार पर पैनल बनाकर कलेक्टर से अनुमोदन कराया जाना आवश्यक था, लेकिन इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। उल्लेखनीय है कि सुनील श्रीवास्तव के विरुद्ध पूर्व में लोक शिक्षण विभाग से लेकर जिले के प्रभारी मंत्री तक शिकायतें की जा चुकी हैं, बावजूद इसके कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

वरिष्ठता की बलि देकर अनदेखी करने से खींचतान व असंतोष का माहौलः विभागीय हलकों में चर्चा है कि जिले में कई वरिष्ठ और पात्र प्राचार्य उपलब्ध होने के बावजूद उनसे न तो सहमति ली गई और न ही वरिष्ठता के आधार पर विचार किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-2 टीकमगढ़ के एनडी अहिरवार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पठा के सीएल अहिरवार, पीएम श्री स्कूल अनंतपुरा के संजय पाठक, शिशु मंदिर टीकमगढ़ की रजनी जैन, नयाखेरा हाई स्कूल के एससी जैन, पीसी नायक तथा डायट में पदस्थ वरिष्ठ व्याख्याता राकेश अवस्थी जैसे नाम चर्चा में हैं, जिन्हें नियमों के तहत दायित्व दिया जा सकता था। फिलहाल विभाग में जारी खींचतान और निर्णयों को लेकर असंतोष का माहौल है। जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवालों के बीच अब सभी की निगाहें संभावित जांच और आगे की कार्रवाई पर टिकी हैं। जब जिला शिक्षाधिकारी हनुमत सिंह से संपर्क करके उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया तो उन्होंने कुछ भी कहने से बचने का प्रयास करते हुए कहा कि मुझे इस संबंध में कुछ नहीं कहना है।

अन्य प्रभार के साथ बीईओ का दायित्व यथावत रखने से बनी संशय की स्थिति

जिला शिक्षा विभाग में एक और प्रशासनिक फेरबदल सामने आया है। कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी, टीकमगढ़ द्वारा जारी आदेश क्रमांक/राज./स्था-1/2026/236 दिनांक 07 जनवरी 2026 के तहत अपर परियोजना संचालक, समग्र शिक्षा सेकेंडरी एजुकेशन म.प्र. भोपाल के आदेश के आधार पर सिद्धार्थ जैन, सहायक संचालक एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी बीईओ टीकमगढ़ को अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, टीकमगढ़ के पद पर पदस्थ किया गया है। जानकारी के अनुसार जैन ने 5 जनवरी 2026 को बीईओ पद से भारमुक्त होकर अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। विभागीय सूत्रों का कहना है कि बीईओ का पद रिक्त होने की स्थिति में उनका प्रभार यथावत रखा जा सकता था, लेकिन अचानक किए गए इस परिवर्तन से विभागीय हलकों में संशय की स्थिति बन गई है।

संयुक्त संचालक ने कही जांच की बात

इस पूरे मामले पर लोक शिक्षण शिक्षा विभाग सागर के संयुक्त संचालक एसपी सिंह बिसेन ने कहा कि यदि एक्सीलेंस प्राचार्य को विकासखंड शिक्षा अधिकारी बनाया गया है तो इसकी नियमानुसार जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

जनसुनवाई से सुदृढ़ हुआ विश्वास, 23% कम हुईं शिकायतें

पुलिस अधीक्षक की जनोन्मुखी पहल सभी को मिला सम्मानजनक मंच

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले में पुलिस व्यवस्था को अधिक उत्तरदायी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में प्रत्येक मंगलवार को थाना, चौकी एवं जिला मुख्यालय स्तर पर जनसुनवाई एवं नागरिक संवाद शिविर, नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक नागरिक की समस्या को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनना तथा समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करना है। 24 फरवरी को जिला मुख्यालय पर आयोजित जनसुनवाई शिविर में पुलिस अधीक्षक मंडलोई द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा की उपस्थिति में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए नागरिकों से आत्मीय एवं धैर्यपूर्ण संवाद किया गया। इस अवसर पर

प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से ग्रहण किया गया। अनेक प्रकरणों का त्वरित निराकरण किया गया। जाँच अपेक्षित मामलों में निष्पक्ष एवं पारदर्शी कार्यवाही का आश्वासन दिया गया। नागरिकों को अपनी बात निसंकोच रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंद व्यक्तियों की समस्याओं को विशेष प्राथमिकता प्रदान की गई। सभी अनुभागीय अधिकारियों द्वारा भी सीधे संवाद स्थापित कर शिकायतों के समाधान की दिशा में आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई की व्यवस्था को थाना एवं चौकी स्तर तक सुदृढ़ किया गया है, जिससे नागरिकों को अनावश्यक दूरी अथवा असुविधा का सामना न करना पड़े। इस प्रक्रिया में विनम्रता, जवाबदेही एवं समयबद्धता को प्राथमिकता दी जा रही है।

जनसुनवाई आधारित इस पहल के फलस्वरूप जिला मुख्यालय पर प्राप्त शिकायतों में लगभग 23 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। यह दर्शाता है कि समस्याओं का निराकरण प्रारंभिक स्तर पर ही प्रभावी ढंग से किया जा रहा है तथा नागरिकों का विश्वास सुदृढ़ हो रहा है। उक्त पहल के माध्यम से जिला पुलिस का उद्देश्य ऐसी व्यवस्था स्थापित करना है जहाँ प्रत्येक नागरिक सम्मानपूर्वक सुना जा सके।प्रत्येक शिकायत पर निष्पक्ष कार्यवाही हो। संवाद के माध्यम से विश्वास और सहयोग का वातावरण निर्मित हो। टीकमगढ़ पुलिस नागरिकों के साथ सहभागिता, संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के आधार पर सुरक्षित एवं भरोसेमंद वातावरण के निर्माण के लिये प्रतिबद्ध है। पुलिस ने बताया कि जनसुनवाई एवं नागरिक संवाद की यह श्रृंखला निरंतर जारी रहेगी।

स्टेशन के बाहर से मोटर साइकिल चोरी

ललितपुर। शहर के स्टेशन क्षेत्र में एक मोटर साइकिल चोरी का मामला सामने आया है। जीआरपी थाना में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार नेहरू नगर निवासी राजेंद्र सिंह ने बताया कि बीती 10 फरवरी 2026 को रात करीब 10 बजे वह अपनी होंडा ड्रीम मोटर साइकिल नंबर यूपी 94 पी2237 से स्टेशन पर स्विगी का ऑर्डर देने गया था। उसने अपनी मोटर साइकिल प्रधानमंत्री जन औषधि केन्द्र के सामने खड़ी की थी।

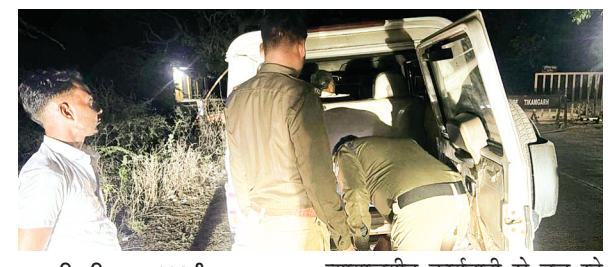

अवैध गतिविधियों पर पैनी नजर...

सुरक्षित शहर उद्देश्य को लेकर चलाया कॉम्बिंग अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा आमजन में सुरक्षा एवं विश्वास की भावना को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई के निर्देशन में 21 व 22 फरवरी तक दो दिवसीय व्यापक एवं योजनाबद्ध कॉम्बिंग गश्त अभियान संचालित किया गया। उक्त अभियान को न केवल अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया बल्कि न्यायिक प्रक्रिया को गति देने एवं समाज में शांति बनाए रखने का पुलिस का सशक्त प्रयास कहा गया।

दो दिवसीय अभियान में जिले के सभी 14 थाना क्षेत्रों एवं 9 पुलिस चौकियों के अंतर्गत 364 से अधिक पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी सक्रिय रूप से शामिल रहे। वरिष्ठ अधिकारियों की सतत मॉनिटरिंग एवं फील्ड में उपस्थिति ने अभियान को प्रभावी और परिणामोन्मुख बनाया। पुलिस टीमों द्वारा संवेदनशील स्थानों, संदिग्ध गतिविधियों तथा अपराध प्रवृत्ति वाले व्यक्तियों की सघन जांच की गई, जिससे असामाजिक तत्वों में स्पष्ट संदेश गया कि कानून व्यवस्था से किसी प्रकार की छेड़छाड़ स्वीकार्य नहीं होगी। अभियान के दौरान फरार एवं न्यायालयीन कार्यवाही से बच रहे आरोपियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई की गई। जिसमें 42 गिरफ्तारी वारंट, 07 स्थायी वारंट, 164 जमानती वारंट, 212 समंस तामील कर न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया गया। उक्त अभियान के अंतर्गत 63 हिस्ट्रीशीटर, 94 गुंडा, निगरानी बदमाश, 14 जेल से रिहा अपराधियों की गतिविधियों की सघन समीक्षा की गई। इस कार्यवाही का उद्देश्य संभावित अपराधों की रोकथाम एवं पुनरावृत्ति पर नियंत्रण स्थापित करना रहा। अवैध शराब के विरुद्ध विशेष कार्रवाई करते हुए 41 प्रकरण आबकारी अधिनियम के अंतर्गत एवं 01 अन्य प्रकरण दर्ज किया गया। दोषियों के विरुद्ध विधिसम्मत कठोर कदम उठाए गए, जिससे अवैध गतिविधियों पर अंकुश सुनिश्चित हो सके। अभियान के दौरान 473 वाहनों की जांच की गई।99 वाहनों पर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की गईं। 31 हजार 200 रूपये का समन शुल्क वसूला गया। इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल दंडात्मक कार्यवाही न होकर यातायात नियमों के प्रति जागरूकता एवं अनुशासन को बढ़ावा देना रहा। पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने कहा कि इस प्रकार की सघन कॉम्बिंग गश्त एवं जनसंवाद आधारित अभियान भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

भाजपा जिला प्रभारी पुष्पेंद्रनाथ का नगर आगमन

जिला प्रभारी का दायित्व देकर शीर्ष नेतृत्व ने बढ़ाया मेरा मानः पाठक

पलेरा। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व विधायक एवं नवनियुक्त टीकमगढ़ जिले के भाजपा प्रभारी पुष्पेंद्रनाथ गुड्डन पाठक का पलेरा नगर में प्रथम आगमन होने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन संज्ञा के नेतृत्व में जिला प्रभारी पाठक को नगर की सीमा में प्रवेश करने के बाद ग्राम पंचायत बेला, लारौन सहित पलेरा नगर में भाजपा नेता हरसेवक राजपूत के निज निवास समेत जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने रोककर स्वागत किया। जहां तमाम भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने फूल माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। साथ ही नारे लगाए।

अपने स्वागत से अभिभूत जिला प्रभारी पुष्पेंद्रनाथ गुड्डन पाठक ने कहा कि मुझको जिला प्रभारी का दायित्व देकर शीर्ष नेतृत्व ने मेरा मान बढ़ाया है। मंच से मैं कार्यकर्ताओं को विश्वास दिलाता हूं कि मैं 24 घंटे कार्यकर्ताओं के लिए उपलब्ध रहूंगा। कार्यकर्ताओं का उत्साह मेरे लिए ऊर्जा के समान है। कार्यकर्ताओं का सम्मान ही मेरा सम्मान है। जिला प्रभारी पाठक ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि नगर एवं ग्राम क्षेत्र के सभी कार्यकर्ता अपने अपने बूथ को मजबूत करें। जिससे आने वाले चुनाव में हम फिर बढ़त बना सकें। आने वाले विधानसभा चुनाव में हम जिले की सभी सीटों को जीतेंगे। उन्होंने कहा कि एक एक कार्यकर्ता मेरे परिवार के सदस्य के समान है। जिले के सभी पदाधिकारी जनप्रतिनिधि पार्टी को ताकत देने के लिए पूरे मनोयोग से उठ खड़े हों। कार्यकर्ताओं को किसी भी प्रकार से दबाने की जरूरत नहीं है, सभी कार्यकर्ता पार्टी के साथ पूरी ताकत से खड़े हो जाएं। पार्टी आप के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकर्ता पूरनलाल अहिरवार ने जिला प्रभारी के सामने भारतीय जनता पार्टी का हाथ थामा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष पवन संज्ञा, सुनील खटीक, हरसेवक राजपूत, राजू गोस्वामी, नंदकिशोर प्रजापति, राजेश नायक, एहसान मंसूरी, तेज खान, अवध किशोर, मुकेश यादव, रामकिशोर रैकवार, हरिशंकर चौरसिया, गुलाब आदिवासी, जयपाल राजपूत, रोहित राजपूत, बब्लेश राजपूत सहित तमाम क्षेत्रीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अपराध नियंत्रण व त्वरित सहायता सुदृढ़ करने पुलिस केंद्र का किया शुभारंभ

पुलिस अधीक्षक ने जतारा में नागरिकों से संवाद कर सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

जनता के प्रति सेवा, सुरक्षा और सहयोग एबं अपराधियों के प्रति सतर्क व सचेत रहने की प्रतिबद्धता का विस्तार करते हुए पुलिस अधीक्षक मनोहर सिँह मंडलोई ने जतारा बस स्टैंड पर पुलिस सहायता केंद्र का शुभारंभ किया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने कहा कि आमजन की सुरक्षा, सुविधा एवं विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में एक संवेदनशील और प्रभावी कदम उठाते हुए यह 247 पुलिस तैनाती बाला पुलिस सहायता केंद्र खोला गया है। 23 फरवरी को जतारा कस्बे में स्थानीय नागरिकों की त्वरित सहायता एवं अपराध नियंत्रण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से बस स्टैंड परिसर में पुलिस सहायता केंद्र का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर एसपी मंडलोई ने उद्घाटन कर उपस्थित नागरिकों से जनसंवाद किया। एसपी ने उद्बोधन में बताया कि यह पुलिस सहायता केंद्र आमजन की सुरक्षा, सुविधा एवं विश्वास को सुदृढ़ करने की दिशा में संवेदनशील और प्रभावी कदम है। इस केंद्र पर जतारा थाना का पुलिस स्टाफ 247 शिफ्टों में तैनात रहेगा, जिसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाएगी। यहां पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नागरिकों के प्रति संवेदनशील, तत्पर एवं जवाबदेह व्यवहार के विशेष निर्देश दिए गए हैं। जनसंवाद के दौरान पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने जिले में अपराध नियंत्रण, नशामुक्ति अभियान, महिला एवं बाल सुरक्षा, तथा प्रतिभाओं के प्रोत्साहन जैसे विभिन्न आयामों पर संचालित अभियानों की विस्तृत जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जनभागीदारी के माध्यम से पुलिस और समाज के बीच विश्वास का सेतु मजबूत हुआ है तथा सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। विशेष रूप से महिला सुरक्षा, स्वतंत्रता एवं समानता के उद्देश्य से संचालित जिला स्तरीय अभियानों नीड, परी, भरोसा, सहारा एवं आसरा आदि के टीकमगढ़ मॉडल की विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य केवल सुरक्षा प्रदान करना ही नहीं, बल्कि महिलाओं और बच्चों में आत्मविश्वास और सशक्तिकरण की भावना को बढ़ावा देना है। जनसंवाद चौपाल के माध्यम से क्षेत्रीय समस्याओं एवं शिकायतों के त्वरित निराकरण पर विशेष बल दिया गया।

एसपी ने स्पष्ट किया कि पुलिस का लक्ष्य केवल अपराधियों पर नियंत्रण ही नहीं, बल्कि समाज में विश्वास, सहयोग और सुरक्षा की सकारात्मक भावना स्थापित करना भी है। उक्त कार्यक्रम के दौरान कस्बे के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं समाजसेवियों द्वारा पुलिस अधीक्षक मंडलोई का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया तथा पुलिस सहायता केंद्र की स्थापना पर आभार व्यक्त किया गया। उपस्थित नागरिकों ने पुलिस द्वारा संचालित जनहितकारी अभियानों की सराहना करते हुए इसे सराहनीय एवं प्रेरणादायी पहल बताया। इस अवसर पर एसडीओपी जतारा अभिषेक गौतम, रक्षित निरीक्षक कनक सिंह चौहान, थाना प्रभारी जतारा उप निरीक्षक एनएस ठाकुर सहित थाना स्टाफ, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

जखौरा पुलिस ने दो वारंटियों को गिरफ्तार किया

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में जनपद में वांछित/वारंटी अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जखौरा पुलिस को सफलता मिली है। अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह एवं क्षेत्राधिकारी सदर सुनील कुमार के पर्यवेक्षण में पुलिस टीम ने दो वारंटियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अमर सिंह पुत्र भरोसे पाल (उम्र करीब 52 वर्ष), निवासी ग्राम विनैका टोरन थाना जखौरा जनपद ललितपुर तथा नीरज बरार पुत्र मम्मू बरार (उम्र करीब 32 वर्ष), निवासी ग्राम मुहारा थाना जखौरा जनपद ललितपुर शामिल हैं। दोनों वारंटियों को 23 फरवरी 2026 को नियमानुसार गिरफ्तार कर संबंधित न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तारी की कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार बैस थाना जखौरा ने अपनी टीम के साथ की।

जनगणना 2027 के लिए जिला स्तरीय प्रशिक्षण हुआ आयोजित

टेक्नोलॉजी की एंट्री होने से जनगणना 2027 बनी खासः कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ टीकमगढ़

कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनगणना 2027 के लिए दो दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान कलेक्टर श्रोत्रिय ने बताया कि जनगणना 2027 में खास बात यह है कि जनगणना प्रक्रिया में टेक्नोलॉजी की एंट्री होने से पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी। जनगणना प्रक्रिया में अब नागरिक स्वयं स्व-गणना पोर्टल पर अपनी जानकारी भर सकते हैं। जनगणना के दौरान गणक के घर आने पर उन्हें यह जानकारी देनी होगी। तब इस जानकारी को डिजिटल रूप में दर्ज करेंगे। नागरिक 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक स्वयं जानकारी स्व-गणना पोर्टल पर भर सकेंगे।

कलेक्टर ने बताया कि जनगणना अधिकारियों द्वारा मकान सूचीकरण के दौरान नागरिकों से 33 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी एकत्र की जाएगी। जनगणना अधिकारियों द्वारा मकान सूचीकरण के दौरान भवन नंबर, जनगणना मकान नंबर, मकान की दीवार, छत और फर्श में प्रयुक्त सामग्री, मकान का उपयोग और स्थिति की जानकारी ली जाएगी। इसके साथ ही परिवार, परिवार में रहने वाले सदस्यों की संख्या, परिवार के मुखिया का नाम, लिंग, सामाजिक वर्ग अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति या अन्य से संबंधित विवरण दर्ज किया जाएगा। जनगणना के दौरान पेयजल का मुख्य स्त्रोत, प्रकाश का स्त्रोत, शौचालय की उपलब्धता और उसका प्रकार, गंदे पानी की निकासी, रसोईघर एवं उसमें प्रयुक्त ईंधन की जानकारी भी ली जाएगी। परिवार द्वारा उपयोग किए जाने वाले मुख्य खाद्यान्न, परिवार में रहने वाले विवाहित दंपत्तियों की संख्या, परिवार के मुखिया का व्यवसाय तथा मकान के स्वामित्व की स्थिति से जुड़ी जानकारी भी जनगणना में दर्ज की जाएगी। राजपत्र में स्पष्ट किया गया है कि जनगणना अधिनियम 1948 के तहत एकत्र की गई सभी व्यक्तिगत जानकारियां पूरी तरह गोपनीय रहेंगी और किसी भी न्यायालय, जांच या अन्य प्रयोजन के लिए साक्ष्य के रूप में उपयोग नहीं की जा सकेंगी। जनगणना 2027 में यह समस्त जानकारी डिजिटल माध्यम से मोबाइल एप और पोर्टल के जरिए एकत्र की जाएगी। नागरिकों से अपील की गई है कि वे जनगणना अधिकारियों को सही और पूर्ण जानकारी प्रदान करें, ताकि जनगणना का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हो सके।

उल्लेखनीय है कि यह जनगणना वर्ष 1872 से सोलहवीं एवं स्वतंत्रता के बाद से आठवीं जनगणना होगी। जिससे संबंधित विभिन्न क्रियाकलापों का निष्पादन जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियम 1990 के प्रावधानों के तहत किया जाता है। इस दौरान प्राप्त व्यक्तिगत जानकारियां पूर्णतः गोपनीय होती है और इसे किसी अन्य के साथ साझा नहीं किया जाता। साथ ही एकत्रित की गई व्यक्तिगत जानकारी को कहीं पर भी साक्ष्य के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता है। जनगणना 2027 के प्रगणक, पर्यवेक्षक या कोई अन्य व्यक्ति द्वारा किसी भी प्रकार के ओटीपी या बैंक डिटेल्स की मांग नहीं की जाएगी।

जनगणना 2027 दो चरणों में संपादित की जाएगी। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकान की गणना की जाएगी। द्वितीय चरण में जनसंख्या की गणना की जाएगी। जनगणना का कार्य निर्धारित समय सीमा में किया जाएगा। समय सीमा में किसी भी प्रकार का विस्तार या परिवर्तन नहीं किया जाएगा। जनगणना 2027 का प्रथम चरण 1 से 30 मई 2026 तक आयोजित होगा। प्रथम चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी। जनगणना 2027 का दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी। जनगणना 2027 देश की प्रथम डिजिटल जनगणना होगी जिसमें एप्लीकेशन के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। जनगणना के समस्त कार्य की रियल टाइम मॉनिटरिंग सेन्सस मेनेजमेन्ट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। इसके अतिरिक्त, निवासियों को अपना जनगणना डेटा स्वयं ऑनलाइन भरने की सुविधा प्रदान करने के लिए स्वगणना वेब पोर्टल विकसित किया जाएगा। जनगणना 2027 में स्व-गणना पोर्टल एसई, मोबाइल ऐप एचएलओ एप के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया जाएगा। इसी क्रम में मकान सूचीकरण ब्लॉक क्रिएटर एचएलवीसी वेब पोर्टल के माध्यम से मकान सूचीकरण ब्लॉक का सृजन किया जाएगा। जनगणना प्रबंधन और निगरानी प्रणाली पोर्टल के माध्यम से मैनेजमेंट एवं मॉनिटरिंग की जाएगी। जनगणना डिजिटल माध्यम से होनी है तो डिजिटल संसाधनों का बेहतर उपयोग किया जाएगा। घर-घर जाकर घर, मकान एवं व्यक्ति की गणना करेंगे। उक्त जनगणना 2027 की अधिसूचना जारी की जा चुकी है।

किसान कर रहा गेहूं खरीद केंद्र खुलने का इंतजार, कम दाम में बेचने को मजबूर

25 मार्च से शुरू होगी गेहूं की खरीद, इधर मंडी में लग गई बोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

शासकीय समर्थन मूल्य पर होने वाली गेहूं एवं चना की खरीद के लिए जिले में 33 खरीद केंद्र खोले जाने हैं। इन खरीद केंद्रों पर बिक्री के लिए पंजीकरण शुरू हो चुका है लेकिन खरीद में अभी करीब एक माह बाकी है। उधर कुछ किसानों ने गेहूं फसल कटाई शुरू कर दी है जिसे बेचने के लिए किसान मंडी पहुंचने लगा है पर वहां उन्हें समर्थन मूल्य पर तय की गई एमएसपी दर से कम ही दाम मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में वो किसान जिनके खेत में गेहूं पककर कटने को तैयार है वो अभी गेहूं की कटाई में देरी कर रहे हैं।

हालांकि गेहूं के आवक मार्च माह अच्छे से शुरू होनी है पर अभी भी कृषि मंडी उपज मंडी गेहूं आना शुरू हो गया हैं। मंगलवार को एक ट्राली गेहूं की ट्रॉली व्यापारियों ने बोली लगाकर खरीदी जिसकी अधिकतम बोली 2501 रुपए प्रति कुंटल लगाई गई थी जबकि सरकारी समर्थन मूल्य 2585 रुपए है उस पर बोनस अलग से दिए जाने की संभावना है। मध्यप्रदेश में इस बार समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी 2585 रुपए प्रति क्विंटल के भाव से की जाएगी। इसके लिए राज्य सरकार के निर्देश पर श्योपुर जिले में भी तैयारियां पूरी कर ली गई है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं बेचने के लिए किसानों को पंजीयन कराना जरूरी है। पंजीयन का काम 7 फरवरी 2026 से शुरू हो चुका है जो 7 मार्च 2026 तक जारी रहेगा। समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन के लिए किसानों ने पंजीयन कराना शुरू कर दिया है। विगत दिनों कलेक्टर अर्पित वर्मा ने भी किसानों से निर्धारित समय में पंजीयन करा लेने की अपील की थी। किसान पंजीयन करा भी रहे हैं लेकिन कुछ किसान ऐसे भी हैं जिन्होंने बोवनी जल्द कर दी थी जिससे उनके खेत में गेहूं की फसल पक कर तैयार हो गई है।

खासकर विजयपुर ओर कराहल क्षेत्र में सिंचाई के साधन कम होने से बुआई श्योपुर विकासखंड से पहले होती है। ऐसे किसान पशोपेश में हैं कि वह गेहूं की कटाई कराकर उन्हें मंडी में खुली बोली लगाकर बेचे या पंजीयन कराकर खरीद केंद्र खुलने का इंतजार करें। ज्ञात हो कि मंडी में किसान को गेहूं की कीमत 2500 प्रति क्विंटल रुपए से अधिक मिलने की संभावना नहीं है और समर्थन मूल्य पर 2585 रुपए प्रति क्विंटल के साथ करीब 100 रुपए प्रति क्विंटल राज्य सरकार की ओर से बोनस मिलने की संभावना है।

गेहूं लेकर आए किसान का व्यापारियों ने किया स्वागत
मंगलवार को कृषि उपज मंडी जेदा में आवदा गांव से गेहूं की ट्राली लेकर आए एक किसान दीपक का व्यापारियों ने माला पहनकर स्वागत किया और पूजन के बाद गेहूं की बोली लगाई। व्यापारी मदन ट्रेडिंग कंपनी के संचालक मदन गर्ग का कहना था कि इस सीजन में गेहूं पहली बार मंडी में आया है इसलिए अन्नदाता का स्वागत और भगवान बलराम की पूजा जरूरी थी।

33 खरीद केंद्र पर होगी खरीद

श्योपुर जिले में रबी विपणन वर्ष 2026-27 के लिए समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी के लिए 33 पंजीयन केंद्र/उपार्जन केंद्र बनाए गए हैं, जहाँ किसानों का पंजीकरण जारी है। इन केंद्रों पर किसान रबी की फसल कोई सरकारी समर्थन मूल्य पर गेहूं 2582 रुपए प्रति क्विंटल खरीद की स्वीकृति केंद्र सरकार ने दी है जबकि राज्य सरकार की ओर से बोनस मिलने की भी किसानों को उम्मीद है। ज्ञात हो कि विगत वर्ष राज्य सरकार ने गेहूं पर 125 रुपए प्रति क्विंटल बोनस दिया था।

7 मार्च तक पंजीयन चलेंगे...

सरकारी समर्थन मूल्य खरीद केंद्र पर फसल बेचने के लिए पंजीयन शुरू है जो 7 मार्च तक चलेंगे किसान पंजीयन किसान अभी से अपनी फसल का पंजीयन करा ले ताकि बाद में परेशानी ना आए। जिले के 33 खरीद केंद्र पर 25 मार्च से खरीद केंद्रों पर खरीदी शुरू हो जाएगी।

दिनेश गुप्ता
शासकीय समर्थन मूल्य खरीद केंद्र नोडल अधिकारी

श्री गोपाल जी महाराज मंदिर पर चल रही श्रीमद् भागवत कथा

भक्त ध्रुव जैसी दृढ़ इच्छाशक्ति और गुरु के प्रति निष्ठा से परमात्मा प्राप्ति संभवः दीपक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

फूल मालियान समाज के श्योपुर पुलदरवाजा क्षेत्र स्थित श्री गोपाल जी महाराज मंदिर पर चल रही संगीतमयी श्रीमद भागवत कथा के तीसरे दिन कथा व्यास आचार्य दीपक शास्त्री पच्चीपुरा वाले ने सती चरित्र, ध्रुव चरित्र तथा जड भरत प्रसंग और भगवान नृसिंह के प्राकट्य की कथा सुनाई। कथा सुनने के लिए बड़ी संख्या में श्रोता पहुंचे। श्रोताओं की भीड को देखकर कथा स्थल परिसर छोटा पडता नजर आया।

कथा व्यास आचार्य दीपक शास्त्री ने माता सती प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि बिना बुलाए कहीं जाने पर मान-सम्मान की हानि होती है, भले ही वह पिता का घर क्यों न हो। उन्होंने दक्ष प्रजापति के अहंकार और सती द्वारा योगाग्नि में अपने शरीर के त्याग की घटना का वर्णन किया। कथा व्यास ने मात्र पांच वर्ष की आयु में बालक ध्रुव के वन गमन और उनकी कठोर तपस्या का सजीव वर्णन किया। उन्होंने कहा कि ध्रुव जैसी दृढ़ इच्छाशक्ति और गुरु के प्रति निष्ठा से परमात्मा को प्राप्त करना संभव है। ध्रुव की तपस्या से प्रसन्न होकर जब भगवान प्रकट हुए, तो भक्तों ने 'जय श्री कृष्ण' के जयकारों से वातावरण गुंजायमान कर दिया। कथा व्यास ने भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए भगवान नृसिंह के प्राकट्य की कथा सुनाई गई। कथा प्रसंगो के दौरान सजाई गई झांकी के दर्शन कर उपस्थित श्रोतागण भाव-विभोर हो उठे।कथा व्यास ने जड़ भरत की कथा के माध्यम से मोह-माया के बंधन को समझाया।

उन्होंने कहा कि यह बंधन मनुष्य को बार-बार जन्म-मरण के चक्र में फंसाता है। इसलिए मनुष्य को सदैव जागरूक रहकर प्रभु का स्मरण करना चाहिए। बताया गया है कि 22 फरवरी से आरंभ हुई इस भागवत कथा का समापन एक मार्च को विधिवत पूर्णाहुति और भंडारे के साथ किया जाएगा।

पीएम स्व निधि योजना में लापरवाही बरतने पर बैंकर्स को लगी फटकार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

पीएम स्व निधि योजना में लापरवाही बरतने पर डिप्टी कलेक्टर एवं जिला शहरी विकास अभिकरण अधिकारी विजय शाक्य ने बैंकर्स को कड़ी फटकार लगाई और दिए गए लक्ष्य को समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

सोमवार को कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर एवं परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण श्योपुर की अध्यक्षता में बीएलबीसी की बैठक एनआईसी कक्ष में आयोजित की गई। जिसमें प्रबंधक अग्रणी बैंक जिला श्योपुर एवं श्योपुर, विजयपुर, बड़ौदा के समस्त बैंकर्स उपस्थित हुए। बैठक में डिप्टी कलेक्टर विजय शाक्य ने समस्त बैंकों का निर्देश दिए की पीएम स्वनिधि योजना के सभी लंबित प्रकरण में शीघ्र वितरण की कार्रवाई करना सुनिश्चित करें तथा सेंट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया, केनरा बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ़ इंडिया की प्रगति न्यूनतम होने से गहरी नाराज की व्यक्त की गई। भास्कर डिप्टी कलेक्टर शिकायत मिली थी कि हितग्राही जब उनके पास जाते हैं तो वह यह बहाना लगा देते हैं कि उन्हें पोर्टल पर योजना दिखाई नहीं पड़ रही इस पर डिप्टी कलेक्टर ने उन्हें डांट लगाते हुए कहा कि ऐसा कैसे हो सकता है कि शासन की योजना पूरे प्रदेश में दिखे और तुम्हारे लैपटॉप पर ना दिखे इसमें गलती यह निकली की बैंकर्स पुराने कंप्लीट हो चुके प्रकरणों को डिलीट नहीं करते हैं जिससे खाली मांग दिखाई नहीं पड़ती हैं उन्होंने इस तरह के लापरवाही दोबारा नहीं होने की हिदायत देते हुए कहा कि अगर ऐसा हुआ शासन को पत्र लिख देंगे और सरकार योजनाओं के माध्यम से आपकी बैंक को जो फंड मिलता है वह रोका जाएगा। डिप्टी कलेक्टर शाक्य के इस तरह के तेवर को देख बैंकर्स में घबराहट फैल गई।

साहब! हमें जुगाड़ का नहीं स्थाई विकास चाहिए जो मूलभूत अधिकार है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

साहब! हमें जुगाड़ का विकास नहीं चाहिए हमारी समस्या का स्थाई समाधान किया जाए। जुगाड़ का विकास तो पिछले कई सालों से हो रहा है जिससे परेशानी मिटने के बजाय और अधिक बढ़ जाती है। यह बात सलापुरा गांव से जनसुनवाई में पहुंची महिलाओं ने अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय को आवेदन सौंपते हुए कही।

दिए गए आवेदन में उल्लेख किया गया है कि वह ग्राम पंचायत कलारना के ग्राम सलापुरा में 30 वर्ष से अधिक समय से निवास कर रहे हैं। सूरज शिवहरे (पानी कि टंकी) से लेकर मो. सफी मंसूरी के मकान से होते हुए पाली रोड़ तक सीसी रोड़ व नाली नहीं होने से गंदा पानी घरों के आगे भरा रहता है जिससे बस्ती में महामारी फैलने का अंदेशा है। इस संबंध मे कई बार मौखिक रूप से सरपंच वो सचिव को हमारे घरों तक पहुंच मार्ग पर सी सी रोड़ वो नाली का निर्माण कराने के लिए कई बार निवेदन किया लेकिन हमारी समस्या का समाधान नहीं किया गया। सीएम हेल्पलाइन लगाने पर भी निराकरण नहीं हुआ। सड़क नाली नहीं होने से घरों के आगे हमेशा जलभराव की समस्या बनी रहती है। ग्राम पंचायत कलारना के जिम्मेदार इस समस्या के निराकरण का प्रयास समय समस्या पर ईट के टुकड़े वो क्रेशर डस्ट डालकर करते रहते हैं लेकिन इससे समस्या खत्म होने के बजाए ओर अधिक बढ़ जाती है। ईट के टुकड़ों से फिसलकर बच्चे बुजुर्ग गिरकर घायल हो रहे हैं आय दिन महिलाएं भी उसी कीचड़ में गिरकर उपहास का पात्र बन जाती हैं। कुछ स्थानों में बरसात का पानी घरों में घुसने लगा जिस कारण समस्या और अधिक गंभीर हो गई है। ग्राम पंचायत द्वारा डाले गए ईंट के टुकड़े वो क्रेशर डस्ट को हटाकर सी सी रोड़ व नाली किया जाए.इस मामले में एडीएम ने समस्या समाधान के निर्देश अधिनस्थ अधिकारियों को दिए।

116 आवेदकों ने जनसुनवाई में, बताई परेशानी

श्योपुर। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देश पर मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान सीईओ जिपं सौम्या आनंद एवं एडीएम रूपेश उपाध्याय ने 116 आवेदकों की परेशानी सुनते हुए उनका निराकरण करवाए जाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में एसडीएम गगन सिंह मीणा, डिप्टी कलेक्टर संजय जैन एवं विजय शाक्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें। जिपं सीईओ सौम्या आनंद ने जनसुनवाई के दौरान पाली रोड श्योपुर निवासी कल्याणी बैरवा, राडेप निवासी बबलू आदिवासी एवं ढोटी निवासी रामहेत बैरवा के आवेदनों का निराकरण करते हुए अवगत कराया कि मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना अंतर्गत दो-दो लाख रूपये की राशि का ईपीओ जारी हो गया है, शीघ्र ही बैंक खाते के माध्यम से राशि प्राप्त होगी।

नाबालिग से शादी करने वाले दोषी को तीन साल का सश्रम कारावास दिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

अनुसूचित जाति वर्ग की एक नाबालिग बालिका को अगवा करने के बाद उसके साथ शादी रचाने वाले आरोपी को श्योपुर के विशेष न्यायालय ने तीन साल के सश्रम कारावास और दो हजार रूपए के अर्थदंड की सजा सुना दी। करीब दो साल पुराना यह मामला विजयपुर कस्बे का है। इस मामले में शासन की ओर से पैरवी करने वाले विशेष लोक अभियोजक राजेन्द्र जाधव एड ने बताया कि जब नाबालिग बालिका कोचिंग पढने के लिए गई थी,तभी उसे आरोपी कुलदीप प्रजापति पुत्र बनवारीलाल प्रजापति निवासी कीरतपुर थाना सबलगढ जिला मुरैना अगवा करके ले गया और फिर उसके साथ शादी रचा ली और शादी के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। इस मामले में विजयपुर थाना पुलिस ने कुलदीप प्रजापति के खिलाफ मामला दर्ज कर नाबालिग बालिका को बरामद कर उसे परिजन के सुपुर्द किया और आरोपी को अरेस्ट कर जेल भेज दिया। इसके बाद चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय ने विचारण के दौरान आरोपी कुलदीप को दोषी मानते हुए सजा सुना दी।

फूड सेफ्टी विभाग ने लिए मावा, पनीर, घी के सैंपल

श्योपुर। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने श्योपुर एवं कराहल में दो फर्मो से मावा, पनीर, दूध, घी सहित खाद्य सामग्री के सैम्पल लेने की कार्यवाही की। खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र जैन ने बताया कि आमजन को मानक खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से बोहरा बाजार श्योपुर स्थित जैन दुग्ध केन्द्र से मावा, पनीर, भैस के दूध के सैम्पल लिये गये है। इसके साथ ही गत दिवस कराहल स्थित जय बाबा किराना स्टोर से डेनमार्क डेयरी का काऊ घी एवं गुलाब जामुन मिक्स पावडर का नमूना लिया गया है, उक्त सैम्पलों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजा है।

बालिका शिक्षा बाधाएं एवं समाधान विषय पर वेबीनार आयोजित

श्योपुर। शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय, श्योपुर में बालिका शिक्षा-बाधाएं एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया। प्रथम वक्ता प्रो. सोनिया जौहरी, डीन, स्कूल ऑफ मेडीकल एण्ड एलाइड हैल्थ केयर, आईटीएम विश्वविद्यालय, ग्वालियर द्वारा बालिकाओं के विषय-सम्बन्धी शासकीय आंकड़ों के प्रदर्शन के साथ-साथ बदलते समयानुसार उनकी पोषण-सम्बन्धी समस्याओं व उनके समाधान की विस्तृत जानकारी दी गई। द्वितीय वक्ता डॉ. शिवानी भगत, सहायक प्राध्यापक, समाजशास्त्र, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, ऊना, हिमाचल प्रदेश ने महिला-शिक्षा में आने वाली बाधाओं एवं उनके समाधान के लिए देश व प्रदेश की विभिन्न सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाओं द्वारा प्रचलित योजनाओं एवं उनके वास्तविक हितग्राहियों के बारे में अवगत कराया गया। इसी प्रकार तृतीय व अन्तिम वक्ता प्रो. दिलीप राठौड़, वनस्पति शास्त्र विभाग, शासकीय कॉलेज, बूंदी, राजस्थान ने देश के विभिन्न राज्यों में महिला-शिक्षा की चुनौतियों एवं उनके समाधान को शासकीय डाटा के माध्यम से बतलाते हुए उन पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। विषय-विशेषज्ञ वक्ताओं के बाद वेबीनार में प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर से जुड़े शिक्षाविदों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों द्वारा उप-विषयों पर आधारित लगभग 40 से अधिक शोध-पत्र प्रस्तुत कर सभी विद्यार्थियों एवं प्रतिभागियों को विषय की गहराई एवं उसकी प्रासंगिकता से लाभान्वित किया गया। वेबीनार में जुड़ने के लिए पूरे प्रदेश एवं देशभर के 12 से अधिक राज्यों के प्रमुख संस्थानों से 300 से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया। वेबीनार के सफल आयोजन में प्राचार्य, डॉ. ओ.पी. शर्मा, डॉ. श्याम बामनिया, वेबीनार संयोजक डॉ महेन्द्र कैथवास, सह-संयोजक एवं वेबीनार संचालिका वेदांकी खण्डेलवाल, सचिव डॉ. योगेश कुमार बाथम, डॉ. परवीन वर्मा, डॉ. मीनाक्षी सक्सेना व डॉ. ललिता सिकरवार; डॉ. महेश कुमार कुशवाह आदि की सराहनीय भूमिका रही।

सामान्य वन मंडल से ज्यादा कूनो वन मंडल के जंगल में मिले गिद्ध

गणना: श्योपुर के जंगलों में बढ़ रहा गिद्धों का कुनबा, वन विभाग के अफसर उत्साहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

विलुप्त होने की कगार पर पहुंच रही शिकारी पक्षी गिद्धों के संरक्षण के लिए सरकार की ओर से जो प्रयास किए जा रहे है,वे प्रयास श्योपुर जिले में सार्थक होते नजर आ रहे है। क्योंकि श्योपुर जिले के जंगल में गिद्धों की संख्या में बढती जा रही है। इसका पता तीन दिनों तक चली गिद्धों की गणना के दौरान चला है। तीनों दिन चली गणना के दौरान श्योपुर जिले के जंगल में 1129 गिद्ध पाए गए है। जबकि पिछले साल हुई गणना के दौरान जिले के जंगल में 744 गिद्ध पाए गए थे। वन विभाग के अफसरों ने तीन दिन चली गिद्ध गणनों के दौरान अलग-अलग दिन मिले गिद्धों की संख्या के आंकडे ऑनलाइन फीड कर दिए है। लेकिन गणना के दौरान मिली गिद्धों की बढती संख्या से वन विभाग के अफसर उत्साहित नजर आ रहे है।

बता दें कि श्योपुर जिले में मौजूद जंगल दो भागो में बंटा हुआ है। एक भाग का जंगल तो सामान्य वन मंडल श्योपुर के अधीन आता है। जबकि दूसरे भाग कूनो नेशनल पार्क के अंतर्गत आने वाला जंगल का है, जो कि कूनो वन मंडल श्योपुर के अधीन आता है। पिछले दिनों तीन दिनों तक चली राज्य स्तरीय गिद्ध गणना श्योपुर जिले के दोनो डिवीजनों के अंतर्गत आने वाले जंगल में भी की गई है। सामान्य वन मंडल के अमले ने तीन दिन तक यहां अपने क्षेत्र के जंगल में घूमकर की है। वहीं कूनो वन मंडल के अमले ने कूनो नेशनल पार्क के अंतर्गत आने वाले जंगल में की गई है।

सामान्य वन मंडल से ज्यादा कूनो के जंगल में मिले गिद्ध
बताया गया है कि 20 फरवरी आरंभ होकर 22 फरवरी तक चली गिद्धो की गणना जिले के दोनो डिवीजनो में बंटे जंगल में की गई। इस दौरान कूनो नेशनल पार्क के जंगल में गिद्ध सामान्य वन मंडल के अधीन वाले जंगल के मुकाबले अधिक मिले है। बताया गया है कि सामान्य वन मंडल के जंगल में औसतन 126 गिद्ध मिले है। दरअसल पहले दिन की गणना में 84 गिद्ध, दूसरे दिन 177 तथा तीसरे दिन 118 गिद्ध मिले है। इस तरह तीनो दिनों की गणना के दौरान कुल 379 गिद्ध दर्ज किए गए है। वहीं कूनो वन मंडल के जंगल में औसतन 250 गिद्ध मिले है। पहले दिन की गणना के दौरान 280 गिद्ध, दूसरे दिन 220 तथा तीसरे दिन की गणना के दौरान 250 गिद्ध मिले है। इस तीनों दिनों की गणना के दौरान कुल 750 गिद्ध मिले है। पिछली गणना के आंकडों पर नजर डाले तो कूनो के जंगल में गिद्धों की संख्या में इस बार काफी अच्छी बढोत्तरी देखी गई है।

पहली बार ऐप से की गई गणना

विशेष बात यह है कि इस बार गिद्धों की गणना पहली बार मोबाइल ऐप के माध्यम से की गई है। इस डिजिटल गणना के लिए ईपी कलेक्ट फाइव ऐप का उपयोग किया गया। डिजिटल गिनती के इस तरीके से वन विभाग की टीमों को कागज पैन की जरूरत नहीं पड़ी। गिनती के दौरान टीम जब गिद्धों के ठिकानों पर पहुंचती है, तो वहां की लोकेशन ऐप के माध्यम से मोबाइल पर नजर आने लगती है। ये ऐप ऑटोमैटिक समय भी ले लेता है। टीम वहीं से गिद्धों की फोटो खींचकर ऐप में अपलोड करती जाती है। ऐप में गिद्धों की संख्या भरनी होती है, इसमें अलग-अलग दर्ज किया जाता है कि टीम को छोटे-बड़े कितने गिद्ध नजर आए। कौन सी प्रजाति के थे, ये जानकारी भी फीड की जाती है। इस तरह डिजिटल काउंटिंग से गिद्धों की जानकारी तुरंत कंपाइल हो जाती है।

पांच प्रजाति के गिद्ध मिले

गिद्धों की प्रजाति को बचाने के लिए सरकार ने पशुओं को दी जाने वाली डायक्लाफेनक दवा पर प्रतिबंध लगाया, जिसके बाद गिद्धों की संख्या बढने लगी है। लेकिन श्योपुर जिले में गिद्धों की अधिक वृद्धि का कारण यह है कि यहां बेहतर वनक्षेत्र तो है ही, साथ ही मवेशियों की संख्या भी काफी ज्यादा है। जिसके चलते गिद्धों को भेजन के रूप में वनक्षेत्र में मृत मवेशी मिल जाते हैं। श्योपुर जिले में गिद्धों की पांच प्रजातियां मिली हैं।

इनका कहना...

गणना के मिले गिद्धों की संख्या ऑनलाइन फीड कर दी गई है। अब भोपाल स्तर से गिद्धों के फाइनल आंकडे जारी किए जाएंगे। जिले में गिद्धों का कुनबा मिलना अच्छे संकेत हैं। दरअसल यहां उनके लिए पर्याप्त भोजन उपलब्ध है इसलिए जिले में गिद्धों की संख्या में इजाफा हो रहा है।

केएस रंधा
डीएफओ, सामान्य वन मंडल श्योपुर

शिविर में विशेष आवश्यकता वाले 14 बच्चों का पंजीयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा माननीय जुवेनाइल जस्टिस कमेटी हाईकोर्ट मध्यप्रदेश द्वारा दिये गये निर्देशो के क्रम में 18 साल तक की आयु के सभी बच्चों में दिव्यांगता की त्वरित पहचान हेतु जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कैम्प आयोजित किये जा रहे है। इसी क्रम में नगरपरिषद कार्यालय बडौदा में स्वास्थ्य परीक्षण कैम्प का आयोजन किया गया। जिसने विशेष आवश्यकता वाले 14 बच्चों का पंजीयन किया गया।

कलेक्टर अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय स्क्रीनिंग कैम्प में डॉ. ललित शर्मा अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ. राजेश शाक्य नाक कान गला रोग विशेषज्ञ, डॉ. संजय मंगल बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉ प्रेमराज मीणा मेडिसिन विशेषज्ञ, नेत्र रोग सहायक राजकुमार, मानसिक रोग सहायक अरसद अयूब की टीम द्वारा 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों का परीक्षण किया गया, नगरपरिषद कार्यालय बडौदा में आयोजित शिविर में कुल 14 रजिस्ट्रेशन हुए तथा दिव्यांग बच्चों के यूडी आईडी प्रमाण पत्र बनाने के लिए 11 बच्चों की दिव्यांगता का परीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के सतीश सिंह प्रशासनिक अधिकारी, अनिल यादव गतिशीलता प्रशिक्षक, राजभान पटेल आदि उपस्थित रहे। इसी क्रम में 28 फरवरी को जनपद पंचायत कार्यालय कराहल में, 02 मार्च को शासकीय हाईस्कूल पहेला में, 07 मार्च को पंचायत भवन मानपुर में, 09 मार्च को कार्यालय नायब तहसीलदार भवन गोरस में तथा 16 मार्च को शासकीय हाईस्कूल ओछापुरा में आयोजित किये जायेगे।

मोरडूंगरी नदी किनारे संदिग्ध अवस्था में मृत मिला युवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ श्योपुर

ग्राम ढेंगदा के पास स्थित मोरडूंगरी नदी किनारे मंगलवार की सुबह एक युवक की संदिग्ध हालत में लाश पडी मिली है। मृतक की पहचान मोगिया आदिवासी 40 वर्ष निवासी सरारी थाना बरगवां हाल ढेंगदा के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि मृतक मोगिया आदिवसी यहां ढेंगदा में मजदूरी करने के लिए रह रहा था। मंगलवार की सुबह उसकी लाश मोरडूंगरी नदी के किनारे पडी मिली है। फिलहाल तो उसकी मौत के कारणों का पता नहीं है,लेकिन उसकी मौत बीमारी से होने का अंदेशा लग रहा है।

खबर संक्षेप

भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का आगमन हुआ

अशोकनगर। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर का मंगलवार को अशोकनगर आगमन हुआ। उक्त आशय की जानकारी देते हुए भाजपा जिला मीडिया प्रभारी डॉक्टर हरवीर सिंह रघुवंशी ने बताया कि युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष का दोपहर 3 बजे पीलीघटा (सिंध नदी) आगमन होगा। इसके बाद शाढौरा, मढ़ी, रतिखेड़ा, राजमाता चैराहा, बस स्टैंड, सेन चैराहा, विदिशा रोड़, गांधी पार्क, पुराना बाजार आदि स्थानों पर स्वागत होते हुए माधव भवन पहुंचे जहां युवा मोर्चा द्वारा आयोजित युवा सम्मेलन को संबोधित किया है।

दिव्यांग राजू यादव शिक्षित होकर संवारेंगे अपना भविष्य

अशोकनगर। जनपद पंचायत अशोकनगर के ग्राम धौरा के निवासी दिव्यांग राजू यादव अपने दोनो पैरो से 80 प्रतिशत दिव्यांग है। दिव्यांग होने के बावजूद भी राजू यादव ने कक्षा 9वीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके है,अब वह कक्षा 10 वीं बोर्ड की परीक्षा देकर अपने भविष्य को संवारने के लिए आगे बढना चाहते है। राजू यादव द्वारा सोमवार को जिला पंचायत पहुंचकर मुख्य कार्यपालन अधिकारी राजेश जैन से मिलकर कक्षा 10वीं की पढ़ाई के लिए इच्छा जाहिर की। सीईओ जिला पंचायत द्वारा दिव्यांग की हर संभव मदद किये जाने हेतु आश्वस्त किया। राजू यादव दिव्यांग होने के बावजूद शिक्षा के प्रति प्रेरणास्त्रोत बनेगें।

ग्राम झागर में जर्जर किचन शेड को गिराए जाने की कार्रवाई

अशोकनगर। कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा शुक्रवार को जनपद पंचायत अशोकनगर की ग्राम पंचायत सेमरी शाहवाद का निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत सेमरी शाहवाद के ग्राम झागर के प्राथमिक स्कूल भवन के किचिन शेड जर्जर होने पर गिराये जाने के निर्देश दिए गए थे। कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम पंचायत सेमरी शाहवाद द्वारा ग्राम झागर के जर्जर किचिन शेड को जर्जर भवन घोषित किया जाकर गिराये जाने की कार्यवाही की गई।

अवैध शराब के कई मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले में अवैध शराब के कईं मामले दर्ज किए गए हैं। जिले के पिपरई थाने के अंतर्गत पुलिस ने जनमेद अहिरवार के पास से 8 लीटर हाथभटटी की कच्ची शराब बरामद की है। जिले की कदवाया थाने की पुलिस ने ग्राम बख्तर निवासी हेमन्त गुर्जर के पास से 5 लीटर हाथभटटी की कच्ची शराब बरामद की है। चंदेरी पुलिस ने शिशुपाल आदिवासी निवासी चंदेरी के पास से 5 लीटर हाथभटटी की कच्ची शराब बरामद की है।

मारपीट की घटनाओं के कईं मामले दर्ज

अशोकनगर। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में मारपीट की घटनाओं के कईं मामले दर्ज किए गये हैं। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत पठार मोहल्ला निवासी अंकित रजक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी रोहित कुर्मी, नीतेश और संजू कुर्मी ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जमाखेडी निवासी अंकेश अहिरवार ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी भजनसिंह अहिरवार ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के देहात थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अमरौद निवासी विशाल यादव ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी राहुल, गोलू यादव और 3 से 4 अन्य लोगों ने फरियादी व उसके भाई से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के शाढ़ौरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत शाढ़ौरा निवासी मधुर नारायण शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी सौरभ और संदीप चंदेल ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। जिले के कचनार थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम करैया बुद्धू निवासी नीरज राजपूत ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि आरोपी कल्ला राजपूत ने उससे मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

पकड़े गए गिरोह से आठ लाख के गहने और दो बाइक की जब्त

सोवत नकबजनी घटना के पुलिस ने चार आरोपियों को धर दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

जिले के कचनार थाने के अंतर्गत 15 फरवरी को ग्राम सोवत में हुई नकबजनी की एक घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने घटना में लिप्त सभी 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर 8 लाख रूपए की कीमत का माल बरामद करने में सफलता प्राप्त की है, आरोपियों के पास से पुलिस ने घटना में प्रयुक्त की गईं दो बाईक भी बरामद की हैं।

घटना की कहानी यह है कि पिछली 15 फरवरी को अशोकनगर जिले के दूरस्थ ग्राम सोवत में एक नकबजनी की घटना हुई थी। इस घटना में आरोपी घर में महिला को अकेली पाकर बड़ी बारदात कर भाग गए थे। यह घटना उस समय हुई थी जब महिला के पति और घर के अन्य सदस्य घर पर नहीं थे। घर के पास में रहने वाले पाताल उर्फ छोटू बाल्मीक इस पूरे मामले का मुख्य सरगना है जिसने इस घटना को लेकर पहले रैकी की और बाद में अपने परिचितों और रिश्तेदारों को बुलाकर इस घटना को अंजाम दिया। 15 फरवरी की रात 1 से 2 बजे के बीच इन आरोपियों ने घर में घुसकर महिला को डरा धमकाकर यह जेवर और नगदी 30 हजार रूपए चोरी कर ले गए थे जिसमें 5 लाख रूपए का सोना और शेष चांदी के जेवर थे। इस घटना की रिपोर्ट 62 वर्षीय फरियादी महिला शारदा बाई पत्नि देवी सिंह रघुवंशी द्वारा दर्ज कराई गई थी, रिपोर्ट के बाद पुलिस मामले की जांच में जुटी थी।

एसपी द्वारा किया गया था निर्देशित : फरियादिया की रिपोर्ट के आधार पर थाना कचनार पर अपराध क्रमांक 35/26 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आरोपियों के पास से चुराए गए जेवर शत प्रतिशत बरामद

आरोपियों के कब्जे से चोरी गया संपूर्ण जेवर, जिसमें सोने की चैन, मंगलसूत्र, झुमकी, चांदी की पायलें, चांदी के टुकड़े तथा नगदी 30,000 रूपये सहित घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें बरामद कर जब्त की गईं। कुल बरामद माल की कीमत लगभग 08 लाख आंकी गई है। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि ग्राम सोवत निवासी आरोपी पाताल उर्फ छोटू द्वारा पूर्व में घर की रैकी कर अपने अन्य रिश्तेदारों को बुलाकर योजनाबद्ध तरीके से वारदात को अंजाम दिया गया था। उक्त उल्लेखनीय कार्यवाही में थाना प्रभारी कचनार उप निरीक्षक पूनम सेलर, सउनि भरत सोलंकी, प्रआर शिवेन्द्र सिंह, प्रआर आशीष सिंह, प्रआर किशन सिंह, प्रआर कमल सिंह, आरक्षक सत्येन्द्र कुशवाह, आरक्षक केरन सिंह, आरक्षक राजीव शर्मा, आरक्षक अखलेश, आरक्षक विजय भार्गव, आरक्षक अंगार सिंह, चालक मनीष रघुवंशी एवं एनआरएस देवीलाल की सराहनीय भूमिका रही।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अशोकनगर द्वारा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं चोरी गए माल की बरामदगी हेतु थाना प्रभारी कचनार को त्वरित कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

महिला अकेली घर पर होने के बाद दिया घटना को अंजाम: एसडीओपी विवेक शर्मा ने घटना का खुलासा करते हुए बताया कि सोवत गांव सिंध नदी के उस पार है और पुल के समीप देवी सिंह रघुवंशी का घर है। उनके पास में ही पाताल उर्फ छोटू बाल्मीक रहता है जब भी देवी सिंह रघुवंशी अपने बच्चों के पास इन्दौर जाते थे तब छोटू बाल्मीक से कहकर जाते थे कि घर का ध्यान रखना। जब घर पर शारदाबाई रघुवंशी अकेली थीं तभी पाताल उर्फ छोटू बाल्मीक ने इस घटना को अंजाम देने के लिए अपने परिचितों को बुलाया जिसमें एक पनवाडी हाट थाना आरोन जिला गुना और दो म्याना के रहने वाले हैं। जिनमे साथ मिलकर नकबजनी की इस घटना को अंजाम दिया था। घटना के बाद कचनार थाना प्रभारी पूनम सेलर के प्रयास और उनके द्वारा भी मौके पर जाकर घटना की जानकारी ली गई थी जिसके बाद पाया गया कि यह सभी आरोपी एक ही समाज के हैं इनके द्वारा जो कीमती जेवर चोरी किए गए थे उन जेवरों और नगदी रूपयों को बांट लिया गया था। सबसे पहले घटना की जानकारी पनवाडी में रहने वाले आरोपी के लिप्त होने की सूचना मिली, जिसके बाद उक्त आरोपी के बाद शेष आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

सभी आरोपी एक ही समाज के और आपस में रिश्तेदार: थाना प्रभारी कचनार उप निरीक्षक पूनम सेलर द्वारा विभिन्न टीमों का गठन कर तकनीकी साक्ष्यों एवं सशक्त मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी जैकी पुत्र बृजेश बाल्मीक निवासी ग्राम मानपुर थाना म्याना जिला गुना, अमन पुत्र विनोद बाल्मीक निवासी ग्राम निबोदा थाना आरोन जिला गुना, पाताल उर्फ छोटू पुत्र हरवीर बाल्मीक निवासी ग्राम सोवत थाना कचनार एवं करन पुत्र सोनू बाल्मीक निवासी ग्राम मानपुर थाना म्याना जिला गुना को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम रहीं कौशल्या

बरदौरा में आयोजित 7 दिवसीय विशेष शिविर में भजन-कीर्तन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बीना

गर्ल्स कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई की कार्यक्रम अधिकारी मृणालिनी मिश्रा के नेतृत्व में ग्राम बरदौरा में आयोजित 7 दिवसीय विशेष शिविर के छठवें दिन तय की गई रूपरेखा के अनुसार कई सार्थक गतिविधियां एक साथ संपन्न हुईं।

शिविर के दौरान छात्राओं ने गांव वालों के साथ मिलकर श्रमदान किया और यह करीब से महसूस किया कि ग्रामीण जीवन में लोग कितने मेहनती होते हैं। साथ ही, छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए गांव में स्वच्छता और हरियाली के प्रति जागरूकता भी फैलाई। शिविर में उपस्थित कॉलेज प्राचार्य डॉ. रश्मि जैन ने छात्राओं से शिविर का फीडबैक लिया। जिसमें छात्राओं ने बताया कि उन्होंने यहां एकता, अनुशासन और ग्रामीण परिवेश को करीब से जाना तथा विभिन्न धर्म-जाति के भेदभाव को भुलाकर एक साथ काम करना सीखा।

छात्रा सुरभि अहिरवार और पार्वती सेन ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि उन्होंने जीवन में पहली बार यहां सबके साथ मिलकर खाना बनाना सीखा जो उनके लिए बहुत सुखद रहा। इस पर प्राचार्य ने छात्राओं के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें समय का सदुपयोग करने की सलाह दी और कहा कि बीता हुआ समय कभी लौटकर नहीं आता। इसी कड़ी में छात्राओं के स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए उनका वजन एवं लंबाई का परीक्षण किया गया।

इसके पश्चात आयोजित बौद्धिक चर्चा में शिविर का निर्देशन कर रहीं डॉ. उमा लवानिया ने सभी छात्राओं को पोषण, आहार, स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी। शिविर को ग्रामीणों से जोड़ने के लिए ग्रामीण महिलाओं के बीच भजन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें प्रथम स्थान कौशल्या, द्वितीय स्थान ममता और तृतीय स्थान पर उमा ने प्राप्त किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शिविर सहयोगी डॉ. निशि भदौरिया ने कहा कि प्रतिदिन आयोजित होने वाले ये सभी कार्यक्रम छात्राओं के संपूर्ण व्यक्तित्व निर्माण में अत्यधिक सहायक सिद्ध होंगे, साथ ही शिविर की इन सभी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में सहायक विकास, विनोद और पूजा की भी विशेष भूमिका रही।

स्कूल के मुख्य द्वार पर ताले लटके, बच्चे इंतजार करते रहे

अर्रोन और भीलरी के शासकीय स्कूलों में शिक्षक नहीं आए समय पर ...!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

जिले में शासकीय शालाओं में शिक्षकों के न पहुंचने से स्कूली बच्चों को स्कूल खुलने का इंतजार करना पड़ रहा है। चन्देरी तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम अर्रोन और भीलरी में शासकीय स्कूलों में शिक्षकों की लापरवाही का मामला सामने आया है। शिक्षक निर्धारित समय पर स्कूल नहीं पहुंचते, बल्कि अपनी मनमानी के अनुसार देर से आते हैं, जिसके कारण बच्चे स्कूल के बाहर खड़े रहकर शिक्षकों का इंतजार करने को मजबूर हो रहे हैं।

आज इन गांवों में स्कूल के बाहर बच्चे खड़े दिखाई दिए। बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि अभी तक टीचर नहीं आए हैं और उनका कोई पता नहीं है। भीलरी स्कूल के बच्चों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता ने भी यही शिकायत की कि टीचर का कोई फिक्स टाइम टेबल नहीं है। कभी वह 11 बजे आ जाते हैं, तो कभी दोपहर 12 बजे तक पहुंचते हैं। इससे बच्चों को बाहर इंतजार करना पड़ता है और पढ़ाई प्रभावित होती है। यह स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब याद किया जाए कि कुछ समय पहले जिले के पूर्व कलेक्टर आदित्य सिंह ने ग्रामीण क्षेत्रों में अचानक निरीक्षण शुरू किया था। उनके दौरे के दौरान स्कूल समय से पहले खुलने लगे थे और शिक्षकों में डर का माहौल था कि कहीं कलेक्टर न आ जाए। लेकिन अब कलेक्टर के निरीक्षण कम होने के बाद शिक्षक फिर से अपनी लापरवाही पर उतर आए हैं और स्कूल मनमाने ढंग से खुल रहे हैं। इस पूरे मामले की जानकारी जब बीआरसीसी देव प्रकाश गोयल को दी गई, तो उन्होंने शिक्षकों की इस लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए नोटिस जारी करने की बात कही।

बीआरसीसी ने स्पष्ट किया कि शिक्षकों से लिखित जवाब मांगा जाएगा और कार्रवाई की जाएगी ताकि भविष्य में इस तरह के मामले सामने न आएं। इस वाकिए ने ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय अभिभावक और बच्चे मांग कर रहे हैं कि शिक्षकों की उपस्थिति पर सख्त निगरानी हो और समय पर स्कूल खुलना सुनिश्चित किया जाए, ताकि बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न हो।

23 फरवरी फोटो न.14 बच्चे स्कूल खुलने का इंतजार करते देखे गए।

मध्यप्रदेश लेखक संघ इकाई द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

मध्यप्रदेश लेखक संघ इकाई अशोकनगर के तत्वाधान में मासिक गोष्ठियों की श्रखंला में फरवरी माह की काव्य गोष्ठी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गौशाला अशोकनगर के हाल में आयोजित की गई। स्कूल की ओर से राजेश श्रीवास्तव ने सभी कवि एवं अतिथियों का स्वागत सत्कार किया।

गोष्ठी की अध्यक्षता लेखक संघ अशोकनगर के अध्यक्ष सुभाष जैन सरल ने की तथा मुख्य अतिथि हिन्दी साहित्य भारती के प्रदेश महामंत्री दिनेश बिरथरे एवं बिशिष्ठ अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार भागचंद जैन रहे। गोष्ठी का संचालन महेश श्रीवास्तव ने किया। जगदीश शर्मा की सरस्वती वन्दना से काव्य गोष्ठी का शुभारंभ किया गया। नगर के कवि सुधीर गुप्ता ने बताया कि अशोकनगर में प्रत्येक माह कम से कम एक गोष्ठी अवश्य आयोजित की जाती है। गोष्ठी के पश्चात वरिष्ठ साहित्यकार दिनेश विरथरे द्वारा गोष्ठी में सम्मिलित कवियों की कविता की समीक्षा की गई, जिसका उद्देश्य लेखकों कवियों की लेखन क्षमता में वृद्धि के साथ साथ निखार लाना है। मासिक गोष्ठियों की श्रृंखला में यह फरवरी माह की गोष्ठी आयोजित की गई है।

गोष्ठी में सुभाष सरल ने माटी से पैदा हुए माटी में मिल जाना है, माटी में मिलने से पहले माटी का कर्ज चुकाना है, पढ़कर श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। इसी प्रकार सुधीर गुप्ता ने सच्ची में कहता हूं बस ये ही सार है, पूछ है पैसे की बाकी सब बेकार है नामक व्यंग्य कविता पढ़कर खूब तालियां बटोरी। दिनेश विरथरे की रचना मां बेटा सा पावन रिश्ता जग में न हुआ कोई दूजा, इस रिश्ते को मानव तो क्या भगवान ने भी आकर पूजा विशेष सराही गई, जगदीश शर्मा सहज के सवैया छंद लाज लजी सखियां बृज की ललि, पूजन को यमुना तट आई, सौंप दिया मनमोहन को मन प्रेम पुजारिन ध्यान लगाई ने सबका मन मोह लिया। रस परिवर्तन करते हुए व्यंग्य कवि महेश श्रीवास्तव की कविता खिसक खिसक के कहे पजामा काहे दूबरे भऐ जा रहे, तब किसान भन्ना के बोलो हम कछुअई नहीं खा पा रहे ने सबको खूब हंसाया। कवि गिरजेश भार्गव ने करीलाधाम को समर्पित गीत लोक संस्कृति देखी अद्भुत इस पथरीले गांव में, जहां आई थी स्वर्ग अप्सरा घुंघरू बांधे पांव में, ने समा बांध दिया। नवोदय कवियत्री सलोनी पाल ने ए जिंदगी की मुश्किलें कब तक आजमाओगी, मुझे रुला कर कब तक खिल खिलाओगी, एक दिन तुम खुद ही हार मान जाओगी ने खूब वाही वाही बटोरी। प्रियकांत माथुर ने आम आदमी को इंगित करती हुई कविता आम आदमी के जीवन का इतिहास आज में लिखता हूं पढी।

गोष्ठी में भागचंद जैन ने कहा संस्कारवान युवा पीढ़ी से समाज सुसंस्कृत रहता है, यशोगान में यश पताका सदा अलंकृत रखता है। लक्ष्मीनारायण सोनी की कविता अगर भूल से बेटियों को गर्भ में मार दोगे तो बेटों के लिए बहुएं कहां से लाओगे श्रोताओं द्वारा सराही गई। होश्यार सिंह राजपूत का पैरोडी गीत ये दुनिया है आवारा,यहां आना ना दोबारा एवं राजेश श्रीवास्तव की कविता मां एवं पुत्र का अति प्रेम मन की भावना, हम धन को देखते हैं ईश्वर हमारा समय देखता है को खूब पसंद किया गया। प्रेम नारायण श्रीवास्तव ने नारी शक्ति को समर्पित कविता जीवन की औषधि नारी है तन मन सेवा करती है प्रस्तुत की। काव्य गोष्ठी में कवियों के साथ साथ अन्य श्रोताओं ने भी गोष्ठी का आनंद लिया। अंत में सुधीर गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अशोकनगर अनुविभाग में अतिक्रमण हटाने के लिए दल गठित किए गए

अशोकनगर। कलेक्टर साकेत मालवीय के निर्देशानुसार अनुविभाग अशोकनगर के तहत अतिक्रमण हटाने हेतु अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शुभ्रता त्रिपाठी द्वारा दल गठित किया गया है। अशोकनगर के नगरीय क्षेत्र के लिए तहसीलदार अशोकनगर (दल प्रभारी), मुख्य नपा अधिकारी संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी होगें। तहसील अशोकनगर वृत्त-अशोकनगर अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र हेतु तहसीलदार अशोकनगर (दल प्रभारी),मुख्य कार्यपालन अधिकारी जपं अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी/सचिव ग्राम पंचायत,संबंधित ग्राम कोटवार होगें। वृत्त-कचनार के लिए ग्रामीण क्षेत्र हेतु नायब तहसीलदार वृत्त-कचनार (दल प्रभारी),मुख्य कार्यपालन अधिकारी जपं अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी/सचिव ग्राम पंचायत,संबंधित ग्राम कोटवार होगें। तहसील अशोकनगर वृत्त- राजपुर ग्रामीण क्षेत्र हेतु नायब तहसीलदार वृत्त-राजपुर (दल प्रभारी),मुख्य कार्यपालन अधिकारी जपं अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित वीट प्रभारी (वन विभाग), संबंधित पटवारी/सचिव ग्राम पंचायत, संबंधित ग्राम कोटवार होगें। तहसील शाढौरा अंतर्गत नगरीय क्षेत्र हेतु तहसीलदार शाढौरा (दल प्रभारी), मुख्य नप अधिकारी शाढौरा, संबंधित राजस्व निरीक्षक, संबंधित पटवारी होगें। तहसील शाढौरा वृत्त- शाढौरा ग्रामीण क्षेत्र के लिए तहसीलदार शाढौरा (दल प्रभारी), मुख्य कार्यपालन अधिकारी जपं अशोकनगर, संबंधित राजस्व निरीक्षक,संबंधित पटवारी/सचिव ग्राम पंचायत संबंधित ग्राम कोटवार होगें।

चन्द्र प्रभु भगवान के मोक्ष कल्याणक दिवस पर निर्वाण लाडू समर्पित किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुंगावली

चंद्र प्रभु विधान का आयोजन किया

नगर के स्टेशन रोड स्थित श्री चंद्र प्रभु जिनालय पर सोमवार को जैन धर्म के अष्टम तीर्थंकर भगवान श्री चंद्र प्रभु का मोक्ष कल्याणक बड़े भी भक्तिभाव और धूमधाम के साथ मनाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में पुरुष,महिला,और बच्चे शामिल हुए।

सुबह से ही काफी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचने लगे थे इस शुभ अवसर पर विशेष शांतिधारा की गई जिसमें प्रथम शांतिधारा पूर्व अध्यक्ष चंद्रेश मोदी, दिनेश जैन, सतीश, संजय जैन,दीपक नायक, परिवार को मिला वही छ परिवाओं को निर्वाण लाडू समर्पित करने को सौभाग्य मिला,। इसके बाद चंद्र प्रभु विधान का आयोजन किया गया जिसमें चंद्र प्रभु भगवान को अर्घ समर्पित किए गए। मोक्ष कल्याणक की तैयारी जैन श्रद्धालुओं द्वारा एक दिन पूर्व ही शुरू कर दी गई थी। जिसमें सुनील नायक,मोनू भगत, अनुज जैन, विवेक मोदी, डॉक्टर जेके जैन, प्रदीप बहादुरपुर, जल व्यवस्था राजीव जैन, मानव जैन, प्रमोद सिंघई, अंकित जैन, व्यवस्थाएं कराई गई।

साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर के निर्देश

शिकायतों का संतोषजनक निराकरण करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अशोकनगर

कलेक्टर साकेत मालवीय की अध्यक्षता में सोमवार को समय सीमा के लंबित पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में समय सीमा के लंबित पत्रों,सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों, कलेक्टर-कमिश्नर्स वीडियों कान्फ्रेंस के एजेंडा बिन्दुओं के पालन प्रतिवेदन, ई-ऑफिस, संकल्प से समाधान अभियान, किसान क्रेडिट कार्ड की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में कलेक्टर मालवीय द्वारा विभागवार टीएल प्रकरणों की स्थिति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि समय सीमा में प्राप्त होने वाले पत्रों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण किया जाए। सीएम हेल्पलाईन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का संतोषजनक निराकरण प्राथमिकता से किया जाए। निराकरण की गुणवत्ता का विशेष ध्यान देते हुए मैदानी स्तर पर सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर-कमिश्नर्स कान्फ्रेंस के अनुपालन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि संबंधित विभागों को शासन स्तर से प्राप्त निर्देशों पर त्वरित कार्यवाही कर प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। ई-ऑफिस प्रणाली के अपडेशन की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कार्यालयीन कार्यो में गति लाने के लिए ई-ऑफिस का शत प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों एवं उनके निराकरण की स्थिति की विभागवार समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अभियान के तहत प्राप्त शिकायतों एवं मांगो का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करें। पीएचई विभाग द्वारा नलजल योजनान्तर्गत निर्माण कार्य पूर्ण हो चुके है,उन्हें हेण्डओवर किया जाए। साथ ही इनका सुचारू रूप से संचालन किया जाए। बैठक में निर्देश दिए कि सप्ताह में शनिवार को स्कूलों में बाल सभा का आयोजन नियमित रूप से किया जाए।